संस्करण : भोपाल
वर्ष : 01
अंक : 230
पृष्ठ : 08
मूल्य :1.00
गुरूवार 19 नवम्बर 2026

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक

मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

प्रातःकाल एक्सप्रेस

प्रातःकालीन संस्करण

सच से रूबरू

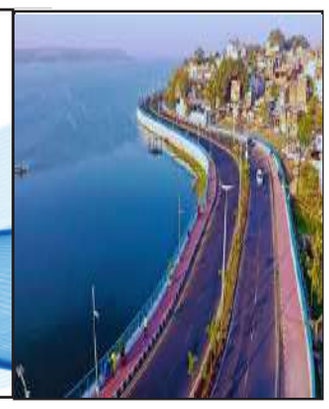

Website:www.pratahkalexpress.in | E-mail :pratahkalexpress@gmail.com | facebook.com/pratahkalexpressnews | https://twitter.com/ratahkalexpress1

मोदी फिलीपींस के सबसे पुराने गुरुद्वारे पहुंचे, मत्था टेका



मनीला/नई दिल्ली (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी फिलीपींस यात्रा के दौरान राजधानी मनीला स्थित देश के सबसे पुराने गुरुद्वारे खालसा दीवान में पहुंचकर मत्था टेका। वर्ष 1901 में स्थापित इस ऐतिहासिक गुरुद्वारे में प्रधानमंत्री ने सिख परंपराओं के अनुसार अरदास की। इसके साथ ही उन्होंने गुरुद्वारे के नए सिरे से निर्माण की आधारशिला भी रखी। मोदी की इस यात्रा को भारत और फिलीपींस के बीच सांस्कृतिक, आध्यात्मिक और ऐतिहासिक संबंधों को मजबूत करने की दिशा में महत्वपूर्ण माना जा रहा है। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने मनीला में आयोजित 23वें आसियान-भारत शिखर सम्मेलन में हिस्सा लेते हुए वैश्विक शांति और स्थिरता पर जोर दिया। उन्होंने कहा कि पिछले कुछ वर्षों में दुनिया ने कई संकटों और चुनौतियों का सामना किया है। ऐसे समय में पूरी दुनिया को शांति, स्थिरता और बेहतर भविष्य की सबसे ज्यादा आवश्यकता है। भारत और आसियान देशों के बीच मजबूत साझेदारी न केवल आर्थिक विकास को गति दे सकती है, बल्कि क्षेत्रीय शांति और वैश्विक सहयोग को भी नई दिशा प्रदान कर सकती है।भारत और आसियान का विकास एक-दूसरे से जुड़ामोदी ने कहा कि भारत का विकास और आसियान देशों की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। भारत की तरक्की से आसियान देशों को लाभ मिलेगा और आसियान देशों की आर्थिक प्रगति भारत के विकास को भी गति प्रदान करेगी। उन्होंने विकसित भारत-2047 और आसियान के 2045 के विजन का उल्लेख करते हुए कहा कि दोनों की साझा आकांक्षाएं भविष्य में सहयोग के नए अवसर पैदा करेंगी।प्रधानमंत्री ने बताया कि वर्ष 2014 से भारत ने आसियान देशों के साथ लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए 100 से अधिक पहल की हैं। इसके अलावा करीब 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट शुरू किए गए हैं और कौशल विकास के लिए 10 हजार से अधिक छात्रवृत्तियां प्रदान की गई हैं। आसियान देशों के लिए नौ बड़ी पहलसम्मेलन में प्रधानमंत्री मोदी ने भारत और आसियान देशों के बीच सहयोग को व्यापक बनाने के लिए नौ प्रमुख प्रस्ताव रखे। इनमें आसियान देशों के पर्यटकों को भारत आने के लिए मुफ्त ई-वीजा देने का प्रस्ताव शामिल है। इसके साथ ही समुद्री व्यापार, आवाजाही, समुद्री सुरक्षा, प्राकृतिक आपदाओं से निपटने और तटरक्षक बलों के बीच समन्वय बढ़ाने के लिए दीर्घकालिक सहयोग योजना पेश की गई।डिजिटल सुरक्षा के क्षेत्र में साइबर अपराधों की जांच और डिजिटल साक्ष्य जुटाने के लिए संयुक्त साइबर फॉरेंसिक प्रशिक्षण कार्यक्रम शुरू करने का प्रस्ताव दिया गया। परमाणु ऊर्जा से संबंधित तकनीक और जानकारी साझा करने, अंतरिक्ष क्षेत्र में नई खोजों को प्रोत्साहित करने के लिए आसियान-भारत स्पेस हैकाथॉन आयोजित करने तथा महत्वपूर्ण खनिजों की खोज और खनन में सहयोग बढ़ाने पर भी जोर दिया गया। इसके अलावा युवा सम्मेलन, युवा सांसदों के बीच संवाद और स्टार्टअप हैकाथॉन के माध्यम से युवाओं को जोड़ने के लिए आसियान-भारत यूथ कनेक्ट पहल शुरू करने का प्रस्ताव रखा गया। नालंदा विश्वविद्यालय में आसियान देशों के अधिक विद्यार्थियों को पढ़ाई के लिए आर्थिक सहायता देने और वर्ष 2027 में आयोजित होने वाले वर्ल्ड ऑडियो विजुअल एंड एंटरटेनमेंट समिट में आसियान-भारत क्रिएटिव पार्टनरशिप पवेलियन बनाने की भी योजना सामने रखी गई।थाईलैंड और सिंगापुर के प्रधानमंत्रियों से मुलाकातआसियान से जुड़ी बैठकों के दौरान प्रधानमंत्री मोदी ने थाईलैंड के प्रधानमंत्री अनुतिन चार्नवीराकुल से मुलाकात की। मोदी ने उन्हें प्रधानमंत्री पद संभालने पर बधाई और शुभकामनाएं दीं। दोनों नेताओं ने भारत और थाईलैंड के बीच ऐतिहासिक, सांस्कृतिक और आध्यात्मिक संबंधों को और मजबूत बनाने पर चर्चा की। प्रधानमंत्री ने सिंगापुर के प्रधानमंत्री लॉरेंस वोंग से भी मुलाकात की। दोनों नेताओं ने भारत-सिंगापुर व्यापक रणनीतिक साझेदारी की समीक्षा की और क्षेत्रीय तथा वैश्विक मुद्दों पर चर्चा की। मोदी ने सिंगापुर को अगले आसियान अध्यक्ष का दायित्व संभालने के लिए शुभकामनाएं देते हुए भारत की ओर से पूरा सहयोग देने का भरोसा जताया।क्वाड बैठक में ट्रंप समेत चार देशों के नेता शामिलफिलीपींस की राजधानी मनीला में अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप भी तीन दिवसीय दौरे पर पहुंचे। क्वाड देशों की बैठक में प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी, अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप, जापान की प्रधानमंत्री साने ताकाइची और ऑस्ट्रेलिया के प्रधानमंत्री एंथनी अल्बनीज की भागीदारी रही। यह बैठक भारत, अमेरिका, जापान और ऑस्ट्रेलिया के बीच रणनीतिक सहयोग के लिहाज से महत्वपूर्ण मानी जा रही है। फिलीपींस में रहते हैं 70 हजार भारतीय मूल के लोगफिलीपींस में भारतीय मूल के करीब 70 हजार लोग रहते हैं। इनमें बड़ी संख्या ऐसे परिवारों की है, जिनकी जड़ें कई पीढ़ियों से फिलीपींस में जुड़ी हुई हैं। भारतीय समुदाय वहां के सामाजिक, सांस्कृतिक और कारोबारी जीवन का अहम हिस्सा है।इसके अलावा करीब 9,800 भारतीय विद्यार्थी फिलीपींस में शिक्षा ग्रहण कर रहे हैं। इनमें बड़ी संख्या मेडिकल की पढ़ाई करने वाले विद्यार्थियों की है। मेट्रो मनीला, दावाओ और सेबू जैसे शहरों में भारतीय समुदाय की अच्छी उपस्थिति है। पंजाबी और सिंधी समुदाय के लोग भी वहां बड़ी संख्या में रहते हैं।प्रधानमंत्री मोदी की इस यात्रा के माध्यम से भारत ने आसियान देशों के साथ आर्थिक, तकनीकी, शैक्षणिक, सांस्कृतिक और सामरिक संबंधों को नई मजबूती देने का प्रयास किया है। सम्मेलन में रखे गए प्रस्तावों से आने वाले वर्षों में भारत और दक्षिण-पूर्व एशियाई देशों के बीच सहयोग के नए रास्ते खुलने की उम्मीद है।





आसियान-भारत सम्मेलन में बोले- दुनिया में शांति और स्थिरता जरूरी; ट्रंप समेत क्वाड नेताओं के साथ बैठक, भारत ने सहयोग बढ़ाने के रखे 9 बड़े प्रस्ताव

फिलीपींस में 70 हजार भारतीय लोग रहते

फिलीपींस में भारतीय मूल के करीब 70 हजार लोग रहते हैं। यह समुदाय वहां के सामाजिक, सांस्कृतिक और कारोबारी जीवन का महत्वपूर्ण हिस्सा है। भारतीय मूल के लोगों में बड़ी संख्या ऐसे परिवारों की है, जिनकी जड़ें कई पीढ़ियों से फिलीपींस में हैं।वहां करीब 9800 भारतीय छात्र भी पढ़ाई कर रहे हैं। इनमें ज्यादातर छात्र मेडिकल की पढ़ाई के लिए फिलीपींस जाते हैं। मेडिकल शिक्षा के क्षेत्र में फिलीपींस भारतीय छात्रों के बीच एक लोकप्रिय विकल्प रहा है। भारतीय समुदाय के ज्यादातर लोग मेट्रो मनीला, दावाओ और सेबू शहरों में रहते हैं। इनमें पंजाबी और सिंधी समुदाय की बड़ी हिस्सेदारी है।

मोदी बोले- भारत और आसियान की तरक्की एक-दूसरे से जुड़ी



PM मोदी ने कहा कि भारत का विकास और आसियान देशों की समृद्धि एक-दूसरे से गहराई से जुड़ी हुई है। भारत की तरक्की से आसियान देशों को भी फायदा होगा और आसियान की समृद्धि भारत के विकास को गति देगी।उन्होंने कहा कि विकसित भारत-2047 और आसियान का 2045 का विजन दोनों की साझा आकांक्षाओं को पूरा करने में अहम भूमिका निभाएंगे। मोदी ने बताया कि 2014 से भारत ने लोगों के बीच संपर्क बढ़ाने के लिए 100 से ज्यादा पहल की हैं। करीब 250 क्विक इम्पैक्ट प्रोजेक्ट शुरू किए और कौशल विकास के लिए 10 हजार से ज्यादा छात्रवृत्तियां दी हैं।

•महंगाई: 'लोग परेशान हैं और प्रधानमंत्री राजनीति में व्यस्त'

सरकार की किन नीतियों से नाराज हुई कांग्रेस पार्टी



नई दिल्ली(एजेंसी)। कांग्रेस ने मंगलवार को आरोप लगाया कि सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और जनविरोधी नीतियों के कारण महंगाई बेकाबू हो गई है। पार्टी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की असंवेदनशीलता और अहंकार का आलम यह है कि इस संकट के बीच भी उन्हें सिर्फ राजनीति की चिंता है। कांग्रेस महासचिव और संचार प्रभारी जयराम रमेश ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक मीडिया रिपोर्ट साझा की। इस रिपोर्ट में एक सर्वेक्षण के हवाले से दावा किया गया है कि हर 10 में से छह परिवार एक साल पहले की तुलना में घरेलू सामान पर 20 प्रतिशत अधिक खर्च कर रहे हैं। आर्थिक कुप्रबंधन से महंगाई बेकाबू कांग्रेस नेता जयराम रमेश ने एक्स पर हिंदी में लिखा, 'महंगाई से परिवार परेशान हैं और कारोबार बंद होने को मजबूर हैं! मोदी सरकार के आर्थिक कुप्रबंधन और जनविरोधी नीतियों ने महंगाई को बेकाबू कर दिया है। इससे आम जनता और कारोबारी दोनों की कमर टूट रही है।'

यूपी में चिराग पासवान का बड़ा एलान: 403 सीटों पर उतरने की तैयारी



लखनऊ(एजेंसी)। लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) उत्तर प्रदेश की सभी 403 विधानसभा सीटों पर चुनाव लड़ने की तैयारी कर रही है। पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष चिराग पासवान ने मंगलवार को लखनऊ में यह घोषणा करते हुए कहा कि यूपी विधानसभा चुनाव लड़ने का फैसला पार्टी के शीर्ष नेतृत्व की सहमति से लिया गया है। हालांकि, पार्टी किस गठबंधन के साथ चुनाव मैदान में उतरेगी या अकेले लड़ेगी, इस पर अभी निर्णय नहीं हुआ है। फिलहाल, संगठन को मजबूत करने और जनाधार बढ़ाने पर जोर दिया जा रहा है।चिराग पासवान ने बताया कि दिसंबर से पार्टी प्रदेश में चौखट-चौखट चिराग नामक एक विशेष कार्यक्रम शुरू करेगी। इस अभियान के तहत, अलग-अलग जिलों में रोड शो आयोजित किए जाएंगे और कार्यकर्ता घर-घर जाकर पार्टी की विचारधारा और नीतियों को लोगों तक पहुंचाएंगे। उन्होंने यह भी कहा कि उत्तर प्रदेश में संगठन विस्तार की जिम्मेदारी अरुण भारती को सौंपी गई है। हाल ही में प्रयागराज में ह्यूथ बोले कार्यक्रम का भी आयोजन किया गया था, जिसके माध्यम से युवाओं की समस्याओं और उनकी आवाज को सुनने का प्रयास किया जा रहा है।

केजरीवाल समेत आप नेताओं को हाईकोर्ट की फटकार

अवमानना मामले में तीन सप्ताह में जवाब दाखिल करने का आखिरी मौका, अदालत बोली- इसके बाद नहीं मिलेगा अवसर



नई दिल्ली (एजेंसी)। दिल्ली हाईकोर्ट ने मंगलवार को आम आदमी पार्टी (आप) के राष्ट्रीय संयोजक अरविंद केजरीवाल, पूर्व उपमुख्यमंत्री मनीष सिसोदिया, सौरभ भारद्वाज और पार्टी के अन्य नेताओं को अवमानना मामले में जवाब दाखिल नहीं करने पर कड़ी फटकार लगाई। अदालत ने सभी नेताओं को अपना पक्ष रखने के लिए तीन सप्ताह का आखिरी मौका दिया है। साथ ही स्पष्ट किया कि निर्धारित समय में जवाब दाखिल नहीं करने पर उनका जवाब देने का अधिकार समाप्त कर दिया जाएगा। न्यायमूर्ति नवीन चावला और न्यायमूर्ति अरुण भारद्वाज की खंडपीठ ने यह निर्देश उस मामले में दिया, जो न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा से संबंधित अवमानना प्रकरण के तहत चल रहा है। आप नेताओं ने अभी तक इस मामले में अपना जवाब दाखिल नहीं किया है। अदालत ने साफ कहा कि अब उन्हें निर्धारित समय के भीतर ही अपना पक्ष रखना होगा और इसके बाद अतिरिक्त अवसर नहीं दिया जाएगा। दरअसल, आप नेताओं ने दिल्ली आबकारी नीति मामले की सुनवाई कर रहीं न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को इस प्रकरण से हटाने की मांग की थी। इसके बाद हाईकोर्ट ने इसी वर्ष 14 मई को सोशल मीडिया पर की गई टिप्पणियों और समाचार पत्रों में प्रकाशित खबरों के आधार पर मामले का स्वतः संज्ञान लेते हुए अवमानना की कार्यवाही शुरू की थी।अरविंद केजरीवाल ने 13 अप्रैल को आबकारी नीति मामले की सुनवाई के दौरान न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की निष्पक्षता पर सवाल उठाए थे। उन्होंने कहा था कि न्यायमूर्ति शर्मा राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ से जुड़े अखिल भारतीय अधिवक्ता परिषद के कार्यक्रमों में चार बार शामिल हो चुकी हैं। केजरीवाल ने यह भी आरोप लगाया था कि उन्हें पहले से ही दोषी मानकर सुनवाई की जा रही है। उनके मुताबिक, न्यायमूर्ति शर्मा के आदेशों में एक ऐसा पैटर्न दिखाई देता है, जिसमें केंद्रीय जांच एजेंसी और प्रवर्तन निदेशालय के तर्कों को स्वीकार किया जाता है।न्यायाधीश को हटाने की मांग के पीछे क्या था मामला दिल्ली की निचली अदालत ने 27 फरवरी को आबकारी नीति मामले में अरविंद केजरीवाल समेत 23 आरोपियों को बरी कर दिया था। निचली अदालत ने अपने आदेश में केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो (सीबीआई) की जांच पर भी गंभीर सवाल उठाए थे। इस फैसले को सीबीआई ने दिल्ली हाईकोर्ट में चुनौती दी, जिसकी सुनवाई न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा की पीठ कर रही है। नौ मार्च को न्यायमूर्ति शर्मा ने मामले में नोटिस जारी करते हुए निचली अदालत के आदेश के उस हिस्से पर रोक लगा दी थी, जिसमें जांच अधिकारी के खिलाफ विभागीय कार्रवाई की बात कही गई थी। उन्होंने प्रारंभिक टिप्पणी में कहा था कि निचली अदालत की कुछ टिप्पणियां गलत प्रतीत होती हैं और उन पर विचार करने की आवश्यकता है। इसके साथ ही धनशोधन निवारण अधिनियम (पीएमएलए) के तहत चल रही कार्यवाही स्थगित करने का निर्देश भी दिया था। इन आदेशों के बाद अरविंद केजरीवाल, मनीष सिसोदिया, दुर्गेश पाठक, विजय नायर, अरुण पिल्लई और चनप्रीत सिंह सहित अन्य आरोपियों ने न्यायमूर्ति स्वर्ण कांता शर्मा को मामले की सुनवाई से अलग करने की मांग करते हुए याचिकाएं

मथुरा में दो दिन चला भाजपा का महामंथन

मिशन 2027 का तैयार हुआ रोडमैप

मथुरा (एजेंसी)। फरह के परखम में आयोजित भाजपा की दो दिवसीय योजना बैठक मंगलवार को संपन्न हो गई। बैठक में वर्ष 2027 में होने वाले उत्तर प्रदेश विधानसभा चुनाव को लेकर दो दिन तक व्यापक मंथन किया गया। राष्ट्रीय अध्यक्ष नितिन नवीन, मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ, दोनों उपमुख्यमंत्री केशव प्रसाद मौर्य और ब्रजेश पाठक समेत पार्टी के चिंतक, विशेषज्ञ और वरिष्ठ नेताओं सहित करीब 55 प्रमुख पदाधिकारी शामिल हुए।इन विषयों पर हुई चर्चा बैठक में आगामी विधानसभा चुनाव की तैयारियों, संगठन की मजबूती और चुनावी रणनीति को लेकर विभिन्न पहलुओं पर विचार-विमर्श किया गया। राष्ट्रीय और स्थानीय नेतृत्व के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर विशेष जोर दिया गया। इसके साथ ही सरकार और संगठन के बीच तालमेल, जनसंपर्क अभियान तथा जनता के बीच पार्टी की पकड़ मजबूत करने जैसे विषयों पर भी



चर्चा हुई। चुनाव से पहले भाजपा की ओर से क्षेत्रीय अध्यक्षों की तैनाती की गई थी। लेकिन अब आलाकमान की एक नई टीम की भी तैनाती की जाएगी। जिसकी विधानसभा चुनाव में टिकट वितरण में अहम भूमिका होगी। वह सबकी मॉनिटरिंग करने के साथ अपनी रिपोर्ट राष्ट्रीय नेतृत्व को देगी।दो दिन तक चले मंथन में सामने आए सुझावों और रणनीतिक बिंदुओं को लेकर पार्टी नेतृत्व ने आगे की कार्ययोजना पर विचार किया। पहले दिन की बैठक में हुए विचार-विमर्श की रिपोर्ट भी राष्ट्रीय अध्यक्ष के समक्ष रखी गई। बैठक संपन्न होने के बाद मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ दिल्ली के लिए रवाना हो गए। वहीं, भाजपा नेतृत्व अब बैठक में तय रणनीति को धरातल पर उतारने की दिशा में आगे बढ़ेगा।

संक्षिप्त डायरी

दिवाली मनाकर लौट रहे युवक की सड़क हादसे में मौत

एजेंसी

नोएडा। दिवाली पर अपने गांव गया युवक वापस गाजियाबाद स्थित जीजा के घर लौटते समय यमुना एक्सप्रेसवे पर हादसे का शिकार हो गया। कानपुर देहात निवासी अजय कुमार (23) गाजियाबाद में अपने जीजा के साथ रहते था और नोएडा स्थित एक कंपनी में नौकरी करता था। दिवाली के मौके पर वह बाइक से अपने घर गया था। सोमवार सुबह करीब छह बजे वह गांव से वापस गाजियाबाद लौट रहा था। इसी दौरान यमुना एक्सप्रेसवे पर दनकौर क्षेत्र में स्पोर्ट्स सिटी के नजदीक अज्ञात वाहन ने उसकी बाइक में टक्कर मार दी। अजय को उपचार के लिए ग्रेटर नोएडा स्थित निजी अस्पताल में भर्ती कराया गया जहां चिकित्सकों ने उसे मृत घोषित कर दिया।

सेक्टर-22डी सोसाइटी में विदेशी नागरिकों के सत्यापन पर सवाल

एजेंसी

नोएडा। यमुना एक्सप्रेसवे के नजदीक सेक्टर-22डी स्थित प्राधिकरण की ओर से विकसित हाईराइज सोसाइटी में सुरक्षा व्यवस्था को लेकर निवासियों की चिंता बढ़ गई है। सोसाइटी में रह रहे विदेशी नागरिकों के पुलिस सत्यापन और वीजा की वैधता को लेकर निवासियों ने सवाल उठाए हैं। उनका आरोप है कि कई बार संबंधित अधिकारियों से शिकायत करने के बावजूद अब तक कोई स्थायी समाधान नहीं निकला है। सोसाइटी निवासी समर्पित आर्या ने बताया कि पूर्व में पुलिस जांच के दौरान कुछ विदेशी नागरिकों के वीजा की अवधि समाप्त होने के मामले सामने आए थे। इसके बावजूद सभी विदेशी नागरिकों के पासपोर्ट, वीजा और पुलिस सत्यापन की नियमित जांच के लिए कोई ठोस व्यवस्था नहीं है। निवासियों के अनुसार, कुछ समय पहले नारकोटिक्स विभाग ने सोसाइटी में छापेमारी की थी। इस दौरान कुछ संदिग्ध व्यक्तियों को हिरासत में लिया गया था। इस घटना के बाद से ही सोसाइटी में रहने वाले परिवारों के बीच सुरक्षा को लेकर चिंता बढ़ गई है। निवासियों ने पुलिस प्रशासन से मांग की है कि सोसाइटी में रह रहे सभी विदेशी नागरिकों के पासपोर्ट और वीजा की वैधता की जांच कराई जाए। साथ ही उनका अनिवार्य पुलिस सत्यापन सुनिश्चित किया जाए

दिव्यांगों के शौचालय पर लापरवाही भारी

एजेंसी

नोएडा। जेवर सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र में दिव्यांग मरीजों के लिए बनाया गया शौचालय बदहाल है। साफ-सफाई और रखरखाव नहीं होने से मरीजों को इसका लाभ नहीं मिल पा रहा है। लाखों रुपये खर्च कर बनाए गए शौचालय की हालत सरकारी व्यवस्थाओं पर सवाल खड़े कर रही है। एक ओर सरकार स्वच्छता अभियान के तहत सार्वजनिक स्थानों पर सफाई के प्रति जागरूकता फैला रही है, वहीं दूसरी ओर सरकारी स्वास्थ्य केंद्र में ही इसकी अनदेखी हो रही है। अस्पताल जैसे महत्वपूर्ण स्थान पर सफाई व्यवस्था की बदहाली स्वच्छता अभियान के दावों की जमीनी हकीकत उजागर कर रही है।

जमानत पर बाहर आकर चेन लूट करने लगा बदमाश, साथी संग गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। बीटा-2 कोतवाली पुलिस ने मुठभेड़ के बाद दो ईनामी बदमाशों को गिरफ्तार किया है। दोनों के पैर में गोली लगी है। बदमाशों को अस्पताल में भर्ती कराया है। एक बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। वो पूर्व में मुठभेड़ के दौरान भागने में सफल रहा था। बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा पाली अलीगढ़ और मोनू निवासी घटकना मौदहा हमीरपुर के रूप में हुई है। इस समय दीपू ग्रेटर नोएडा के हल्दौनी गांव और मोनू भंगेल में रह रहा था। डीसीपी ग्रेटर नोएडा श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि रविवार देर रात बीटा-2 कोतवाली पुलिस 130 मीटर रोड पर ढकिया बाबा गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। तभी बाइक सवार दो युवकों को रूकने का इशारा किया लेकिन पुलिस को देखकर दोनों ने भागने का प्रयास किया। पुलिस ने पीछा किया तो आरोपियों की बाइक फिसल गई। गिरने के बाद दोनों ने पुलिस ने फायरिंग की। जवाब में पुलिस ने फायरिंग की। जिसमें दोनों पैर में गोली लगने से घायल हो गए। दोनों के पास से चोरी की एक बाइक और अवैध हथियार बरामद किए हैं। पुलिस ने बताया कि दोनों चेन स्नेचर है। मोनू चेन स्नेचिंग में जेल जा चुका है। इस समय जमानत पर जेल से बाहर चल रहा था। वहीं जून माह में मुठभेड़ के दौरान दीपू फरार हो गया था। तब उसका साथ राजेंद्र उर्फ लल्लू लूट की चेन के साथ गिरफ्तार हुआ था। उस पर 25 हजार का इनाम घोषित था।

अधिसूचित जमीन पर प्लॉट बेचकर 18 लाख की ठगी, बिल्डर गिरफ्तार

एजेंसी

नोएडा। यमुना प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन पर प्लॉट बेचकर लोगों से लाखों रुपये की ठगी करने के मामले में वांछित बिल्डर को दनकौर पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस के अनुसार, गिरफ्तार आरोपी की पहचान सेक्टर-168 स्थित गोल्डन पाम सोसाइटी निवासी अनुराग प्रताप राय (46) के रूप में हुई। वह यूपीएल होम्स और यूटीएल इंफ्रा रियल एस्टेट प्राइवेट लिमिटेड का निदेशक है। दिल्ली के ईस्ट विनोद नगर निवासी राखी निंबा ने 29 अक्तूबर को मामले में प्राथमिकी दर्ज कराई थी। उनका आरोप है कि उन्होंने दनकौर देहात क्षेत्र में कंपनी की डिलाइट होम्स परियोजना के तहत 100 वर्ग गज का प्लॉट खरीदा था। इसके लिए चेक और बैंक ट्रांसफर के माध्यम से कंपनी को 18 लाख रुपये का भुगतान किया था। वर्ष 2023 में 30 जून को प्लॉट की रजिस्ट्री भी करा दी गई थी। जांच में सामने आया कि आरोपी ने अपने साथियों के साथ मिलकर यमुना प्राधिकरण की अधिसूचित जमीन के वास्तविक रकबे को बढ़ा-चढ़ाकर दिखाया था। इसके बाद फर्जी दस्तावेजों के आधार पर राखी निंबा के अलावा मीनाक्षी गोयल और जसमीत कौर को भी प्लॉट बेच दिए। आरोप है कि निवेशकों से रकम वसूलने के बाद आरोपी ने कार्यालय बंद कर लिया। कोतवाली प्रभारी मनोज कुमार ने बताया कि अमरपुर गांव के पास साइट के नजदीक से आरोपी को गिरफ्तार कर लिया। पुलिस मामले में शामिल अन्य आरोपियों की तलाश कर रही है।

रेलवे ट्रैक पर मिला अज्ञात शव

एजेंसी

नोएडा। दनकौर रेलवे स्टेशन के पास सोमवार सुबह रेलवे ट्रैक पर एक अज्ञात व्यक्ति का शव मिला। सूचना पर पहुंची पुलिस ने शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया। पुलिस के मुताबिक सोमवार सुबह स्टेशन अधीक्षक कार्यालय से पॉइंट्समैन दिनेश कुमार ने रेलवे ट्रैक पर शव मिलने की सूचना दी। पुलिस टीम मौके पर पहुंची तो ट्रैक पर शव पड़ा मिला। स्थानीय लोगों और स्टेशन स्टाफ की मदद से शव की पहचान करने का प्रयास किया लेकिन शिनाख्त नहीं हो सकी।

महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का आरोप

एजेंसी

नोएडा। ग्रेनो वेस्ट स्थित एक रेस्टोरेंट में भोजन करने गई महिला का आपत्तिजनक वीडियो बनाने का मामला सामने आया है। महिला के पति ने पुलिस से आरोपी की शिकायत की है। पुलिस ने मुकदमा दर्ज कर लिया है। बिसरख कोतवाली पुलिस से मिली जानकारी के मुताबिक महिला शनिवार को अपने पति और बच्चों के साथ गौड़ सिटी-2 स्थित एक रेस्टोरेंट में भोजन करने गई थी। आरोप है कि वहां मौजूद एक आरोपी ने महिला का आपत्तिजनक वीडियो बना लिया। महिला के बच्चों ने आरोपी को वीडियो बनाते हुए देख लिया। इसके बाद महिला के पति ने आरोपी को पकड़ लिया और इसकी सूचना तुरंत पुलिस को दी।

राष्ट्रीय मिर्गी दिवस:अस्पतालों में हर महीने पहुंच रहे करीब 150 मरीज

एजेंसी

गुरुग्राम। आधुनिक चिकित्सा सुविधाओं और बड़े-बड़े अस्पतालों के लिए पहचान रखने वाले गुरुग्राम में आज भी मिर्गी जैसी बीमारी को लेकर लोगों की सोच पूरी तरह नहीं बदली है। किसी व्यक्ति को अचानक दौरा पड़ने पर उसे अस्पताल पहुंचाने के बजाय कई परिवार झाड़-फूंक और अंधविश्वास के रास्ते पर चले जाते हैं। बीमारी को भूत-प्रेत का साया मानने से लेकर इसे छुआछूत से जोड़ने तक की गलत धारणाएं मरीजों के इलाज में बाधा बन रही हैं। चिंताजनक पहलू यह है कि निजी अस्पतालों में एक महीने में करीब 150 मिर्गी के मरीज उपचार के लिए पहुंच रहे हैं, जबकि सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में न्यूरो विशेषज्ञ की उपलब्धता अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। 17 नवंबर को राष्ट्रीय मिर्गी दिवस के अवसर पर विशेषज्ञों ने लोगों से बीमारी को लेकर फैली भ्रांतियां दूर करने और समय पर उपचार शुरू कराने की अपील की है। चिकित्सकों के अनुसार मिर्गी मस्तिष्क में होने वाली

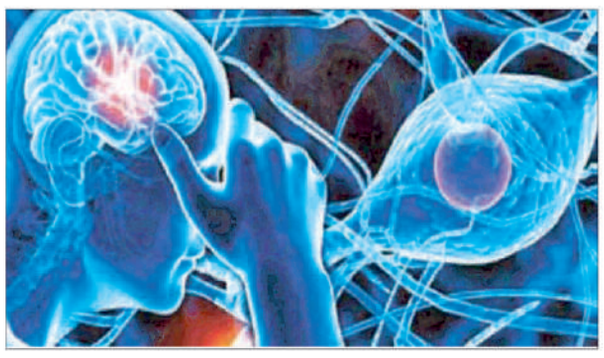

असामान्य विद्युत गतिविधियों के कारण होती है। यह न तो छुआछूत की बीमारी है और न ही इसका संबंध किसी ऊपरी साये से है। सही जांच और नियमित दवाओं से अधिकांश मरीजों में दौरे नियंत्रित किए जा सकते हैं। कुछ मरीजों के लिए शल्य चिकित्सा का विकल्प भी उपलब्ध है। आर्टेमिस अस्पताल के न्यूरोलॉजी विभाग के चेयरपर्सन डॉ. सुमित सिंह के अनुसार मिर्गी के इलाज को लेकर देश में बड़ी कमी है। उनके मुताबिक शहरों में करीब 50 से 70 प्रतिशत मरीज समुचित उपचार नहीं ले पाते, जबकि ग्रामीण क्षेत्रों में यह आंकड़ा लगभग 90 प्रतिशत तक है। कई मरीज चिकित्सक तक नहीं पहुंचते और कुछ को सही विशेषज्ञ की सुविधा नहीं मिल पाती। गुरुग्राम की सरकारी स्वास्थ्य व्यवस्था में भी इस बीमारी के उपचार को लेकर चुनौती सामने आती है। सेक्टर-10 स्थित जिला नागरिक अस्पताल में न्यूरो विशेषज्ञ की नियमित उपलब्धता नहीं होने के कारण गंभीर न्यूरोलॉजिकल समस्याओं वाले मरीजों को दिल्ली और रोहतक रेफर करना पड़ता है। पूर्व में सामने आई अस्पताल संबंधी जानकारी के अनुसार यहां हर महीने 100 से अधिक न्यूरोलॉजिकल लक्षणों वाले मरीज पहुंचते हैं और हर साल 700 से अधिक मरीजों को उच्च चिकित्सा केंद्रों के लिए रेफर किया जाता है। इनमें दौरे, सिरदर्द, हाथ-पैर सुन्न होने और मस्तिष्क संबंधी दूसरी समस्याओं वाले मरीज शामिल हैं। मैरींगो एशिया अस्पताल के चेयरमैन (न्यूरोसाइंसेज) डॉ. प्रवीण गुप्ता के अनुसार चिकित्सा विज्ञान ने काफी प्रगति की है, लेकिन मिर्गी को लेकर सामाजिक सोच में अपेक्षित बदलाव नहीं आया है। दौरा पड़ने पर मरीज की असामान्य गतिविधियों को देखकर लोग घबरा जाते हैं और कई बार अस्पताल ले जाने के बजाय झाड़-फूंक कराने पहुंच जाते हैं। इससे सही उपचार शुरू होने में देरी होती है। मिर्गी का असर केवल मरीज की सेहत तक सीमित नहीं रहता। बच्चों में दौरे आने पर अभिभावकों के साथ-साथ स्कूलों में भी कई तरह की आशंकाएं पैदा हो जाती हैं।

कांग्रेस की वोट बचाओ देश बचाओ चौपाल, भाजपा सरकार पर तीखा हमला

एजेंसी

नोएडा। हरियाणा के तावडू क्षेत्र में सोमवार को कांग्रेस पार्टी की ओर से वोट बचाओ देश बचाओअभियान के तहत चौपाल का आयोजन किया गया। युवा नेता शाहीन सैम्स द्वारा आयोजित इस कार्यक्रम में कांग्रेस पार्टी के शीर्ष नेतृत्व ने शिरकत कर वर्तमान भाजपा सरकार की जनविरोधी नीतियों और कार्यशैली को आड़े हाथों लिया। चौपाल का मुख्य उद्देश्य जनता को उनके लोकतांत्रिक अधिकारों के प्रति जागरूक करना और संविधान की रक्षा के लिए एक मजबूत जनआंदोलन खड़ा करना रहा। कार्यक्रम को संबोधित करते हुए हरियाणा कांग्रेस प्रभारी संजय दत्त ने कहा कि आज देश का लोकतांत्रिक ढांचा और संविधान गंभीर खतरे में है। सरकारी संस्थाओं का दुरुपयोग कर आम जनता के मौलिक अधिकारों का हनन किया जा रहा है। उन्होंने स्पष्ट किया कि यह मुहिम देश के भविष्य और भाईचारे को सुरक्षित रखने की एक बड़ी लड़ाई है, जिसमें हर नागरिक को अपनी सक्रिय भूमिका निभानी होगी। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष राव नरेंद्र सिंह ने राज्य सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि प्रदेश का युवा, किसान, मजदूर और व्यापारी वर्ग खुद को ठगा महसूस कर रहा है। महंगाई और बेरोजगारी चरम पर है, लेकिन सरकार बुनियादी मुद्दों का समाधान करने की बजाय जनता को गुमराह कर रही है। उन्होंने विश्वास दिलाया कि कांग्रेस पार्टी हर वर्ग के हक की लड़ाई सड़क से लेकर सदन तक पूरी मुखरता से लड़ेगी। एआईसीसी पर्यवेक्षक रोहित चौधरी और रोहतक के विधायक व गुरुग्राम जिला पर्यवेक्षक भारत भूषण बतरा ने कार्यकताओं से आह्वान किया कि वे घर-घर जाकर जनता को जागरूक करें और अपने मत की ताकत को पहचानें। ग्रामीण जिलाध्यक्ष वर्धन यादव ने कहा कि भाजपा सरकार एसआईआर जैसे गंभीर मुद्दों पर जनता का ध्यान भटकाना चाहती है। आयोजक शाहीन सैम्स और ब्लॉक अध्यक्ष रज्जू चेयरमैन ने तावडू क्षेत्र की उपेक्षा का मुद्दा उठाते हुए कहा कि जनता अब बदलाव चाहती है और चुनाव आयोग को राजनीतिक हस्तक्षेप से मुक्त कर पारदर्शी चुनाव सुनिश्चित किए जाने चाहिए।

दो लुटेरों को मुठभेड़ में गोली लगी

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस और बाइक सवार दो बदमाशों के बीच रविवार की रात मुठभेड़ हो गई। इस दौरान पैर में गोली लगने से दोनों बदमाश घायल हो गए। एक बदमाश पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था। दोनों बदमाश चेन छीनने की घटनाओं में वांछित चल रहे थे। पुलिस ने उनके पास से चोरी की एक बाइक बरामद की है। ग्रेटर नोएडा के डीसीपी श्रवण कुमार सिंह ने बताया कि सेक्टर बीटा-2 कोतवाली पुलिस की टीम रविवार की देर ढकिया बाबा मंदिर गोल चक्कर के पास चेकिंग कर रही थी। इसी दौरान सामने से आ रही एक बाइक पर सवार दो संदिग्ध युवकों को रुकने का इशारा किया गया। उन्होंने भागने का प्रयास किया। पुलिस टीम के पीछा करने पर आगे चलकर बदमाशों की मोटरसाइकिल फिसलकर गिर गई। इस दौरान खुद को घिरता देखकर बदमाशों ने पुलिस टीम पर फायरिंग शुरू कर दी। पुलिस की जवाबी कार्रवाई में दोनों बदमाश पैर में गोली लगने से घायल हो गए। घायल बदमाशों की पहचान दीपू उर्फ पप्पू निवासी बडेसरा, थाना पाली मुकीमपुर, जिला अलीगढ़ वर्तमान पता हल्दौनी मोड़, कुलेसरा और मोनू निवासी ग्राम घटकना, थाना मौदहा, जिला हमीरपुर वर्तमान पता ग्राम भंगेल, नोएडा के रूप में हुई है। डीसीपी के मुताबिक पकड़े गए दोनों बदमाश चेन झपटमार हैं। दोनों बदमाश चोरी की बाइक से चेन स्नेचिंग की घटनाओं का अंजाम देते थे। बदमाश दीपू पर 25 हजार रुपये का इनाम घोषित था पुलिस के मुताबिक पुलिस की सात जून को दीपू और उसके एक साथी के साथ मुठभेड़ हुई थी। पुलिस मुठभेड़ के दौरान पुलिस ने बदमाश राजेंद्र को गिरफ्तार किया था, जबकि आरोपी दीपू पुलिस को चकमा देकर भाग गया था। इसके बाद दीपू पर 25 हजार का इनाम घोषित किया गया था। पुलिस के मुताबिक दीपू के खिलाफ आठ मुकदमे दर्ज हैं। जमानत पर जेल से छूटने के बाद सक्रिय हुआ पुलिस के मुताबिक मोनू लुटेरा है। मोनू के खिलाफ 15 से अधिक मुकदमे दर्ज हैं। पुलिस द्वारा पूर्व में मोनू को गिरफ्तार कर जेल भेजा गया था। इसके बाद जमानत पर जेल से छूटने के बाद वह फिर से घटना करने लगा। मोनू अपने साथी के साथ मिलकर राहगीरों से लूटपाट कर रहा था।

सांस ही नहीं, त्वचा पर भी प्रदूषण का हमला

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में बढ़ते वायु प्रदूषण का असर अब केवल सांस और आंखों तक सीमित नहीं रह गया। हवा में घुले धूल, धुएं और प्रदूषण के सूक्ष्म कण त्वचा को भी प्रभावित कर रहे हैं। दिवाली के बाद से प्रदूषण के संपर्क में आने के साथ तापमान में गिरावट और हवा में नमी कम होने से त्वचा संबंधी परेशानियां बढ़ने का खतरा है। त्वचा रोग विशेषज्ञों के पास चेहरे पर जलन, खुजली, लालिमा, रूखापन और छोटे-छोटे दाने जैसी शिकायतें लेकर मरीज पहुंच रहे हैं। पहले से एलर्जी, एक्जिमा और संवेदनशील त्वचा की समस्या से जूझ रहे लोगों को अधिक परेशानी हो रही है। दिवाली के बाद से सेक्टर 10 नागरिक अस्पताल में रोजाना ऐसे 50 से 60 नए मरीज आ रहे हैं। त्वचा रोग विशेषज्ञ डॉक्टर नीरज मेहता ने बताया कि प्रदूषण में मौजूद सूक्ष्म कण त्वचा की बाहरी सुरक्षा परत को प्रभावित कर सकते हैं। ये कण त्वचा पर जमा होने के साथ जलन और सूजन की समस्या बढ़ा सकते हैं। वहीं, सर्दियों में ठंडी और शुष्क हवा त्वचा की प्राकृतिक नमी कम कर देती है। ऐसे में प्रदूषण और ठंड का संयुक्त असर



चेहरे पर अधिक दिखाई देने लगता है। कई लोगों को त्वचा में खिंचाव महसूस होने, गालों और नाक के आसपास लालिमा, खुजली और जलन की परेशानी हो सकती है। कुछ लोगों में पहले से मौजूद मुंहासे और त्वचा की एलर्जी भी बढ़ सकती है। दिवाली के बाद बढ़ा प्रदूषण, त्वचा पर दिखने लगा असरः दिवाली के बाद हवा में धूल और धुएं के कणों की मौजूदगी बढ़ने के साथ त्वचा के संपर्क में आने वाले प्रदूषकों की मात्रा भी बढ़ सकती है। सुबह घर से बाहर निकलने, सड़कों पर वाहन चलाने, निर्माण स्थलों के आसपास रहने और खुले में काम करने वाले लोग लंबे समय तक इन कणों के संपर्क में रहते हैं। चेहरे पर जमा प्रदूषण के कण त्वचा में जलन और संवेदनशीलता बढ़ा सकते हैं। जिन लोगों को पहले से एलर्जी की समस्या है, उन्हें खुजली और लाल चकत्तों की शिकायत हो सकती है। वहीं, ठंड में त्वचा की नमी कम होने से चेहरा रूखा पड़ने और त्वचा फटने की समस्या भी सामने आती है। डॉक्टर ने बताया कि प्रदूषण और सर्दी के संयुक्त प्रभाव से त्वचा पर अलग-अलग तरह की समस्याएं हो रही हैं। कुछ लोगों को चेहरे पर हल्की जलन और चुभन महसूस होती है, जबकि कुछ में गालों, माथे और नाक के आसपास लालिमा दिखाई देती है। त्वचा अधिक रूखी होने पर खुजली और पपड़ी जमने की समस्या भी हो सकती है। पहले से एक्जिमा से पीड़ित मरीजों में सूजन और खुजली बढ़ सकती है। इसके अलावा संवेदनशील त्वचा वाले लोगों को सामान्य क्रीम और साबुन के इस्तेमाल से भी जलन महसूस हो रही है। विशेषज्ञों के अनुसार, त्वचा पर लगातार जलन, सूजन या चकत्ते बने रहने पर खुद से दवा लगाने के बजाय चिकित्सक से परामर्श लेना जरूरी है। सुबह-शाम बाहर निकलने वालों की त्वचा पर अधिक असरः गुरुग्राम में सुबह की सैर करने वाले, दोपहिया वाहन चालकों, निर्माण स्थलों पर काम करने वाले श्रमिकों और लंबे समय तक बाहर रहने वाले लोगों की त्वचा प्रदूषण के सीधे संपर्क में आती है। सर्दियों में सुबह और शाम की ठंडी हवा त्वचा की नमी को और कम कर सकती है। ऐसे में चेहरे को खुला रखकर लंबे समय तक प्रदूषित वातावरण में रहने से बचना चाहिए। बाहर से घर लौटने पर चेहरे को सामान्य पानी और हल्के क्लींजर से साफ करना चाहिए। इसके बाद त्वचा के अनुसार मॉइस्चराइजर लगाना जरूरी है। बार-बार गर्म पानी से चेहरा धोने और तेज रसायनों वाले साबुन का इस्तेमाल करने से रूखापन बढ़ सकता है।

ग्रैप के नियमों की जिम्मेदार अधिकारी खुद कर रहे हैं अवहेलना

एजेंसी

गुरुग्राम। शहर में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर प्रशासनिक अधिकारी जरा भी गंभीर नहीं है। जिन अधिकारियों को ग्रैप के नियमों को पालन करवाने की जिम्मेदारी सौंपी गई है वह अधिकारी खुद नियमों की अवहेलना करने में लगे हुए हैं। वहीं जिला उपायुक्त कार्यालय में भी दोपहर में झाड़ू लगाकर पूरे परिसर को धूल में भर दिया। जिला उपायुक्त कार्यालय में भी बिना पानी छिड़काव के परिसर में झाड़ू निकाली जा रही है। इसके अलावा प्रशासनिक अधिकारी ग्रैप के नियमों और सीएक्यूएम के आदेशों का सख्ती से पालन नहीं कर रहे हैं। यहीं कारण है कि शहर में बीते एक माह से लगातार हवा प्रदूषित बनी हुई है। प्रशासनिक अधिकारियों की यह लापरवाही शहर के लोगों की सांसो में जहर घोलने का काम कर रही है। बता दें कि दिल्ली एनसीआर सहित मिलेनियम सिटी गुरुग्राम में लगातार बढ़ रहे प्रदूषण को लेकर सीएक्यूएम की तरफ से ग्रैप दो की पाबंदिया लगाई हुई है। ग्रैप के दो की पाबंदियों में खुले में कूड़ा जलाने, निर्माण कार्य बंद करने, खुले में कोयला और लकड़ी जलाने पर सहित कई प्रकार की पाबंदिया लगी हुई, लेकिन इसके बाद भी शहर में लोग खुले में ग्रैप के नियमों की धज्जियां उड़ाने में लगे हुए हैं। शहर में निर्माण सामग्री के खुले में पड़े होने, सड़कों पर उड़ती धूल और होटलों-ढाबों में धड़ल्ले से जल रहे तंदूरों के कारण प्रदूषण का स्तर लगातार खतरनाक स्थिति में पहुंच रहा है। ग्रैप पाबंदियों के तहत शहर में किसी भी प्रकार के अनियंत्रित निर्माण कार्यों पर रोक है, इसके अलावा, शहर के द्वारका एक्सप्रेसवे की सर्विस रोड पूरी तरह से मिट्टी से अटी पड़ी है। यहां से गुजरने वाले भारी वाहनों के कारण हर समय धूल के गुबार उड़ते रहते हैं, जिससे राहगीरों और वाहन चालकों का निकलना दूभर हो गया है। एक्सप्रेसवे से सराय की तरफ जाने वाले मार्ग पर भी भारी मात्रा में निर्माण सामग्री खुले में पड़ी है, लेकिन नगर निगम या अन्य संबंधित विभाग इस और कोई ध्यान नहीं दे रहे हैं। प्रशासन के कड़े दावों के उलट शहर के तमाम बाजारों और खानपान के ठिकानों पर नियमों की जमकर धज्जियां उड़ाई जा रही हैं। कोयला जलाने पर पूरी तरह रोक होने के बावजूद रेलवे रोड, सेक्टर-14 मार्केट, राजेंद्रा पार्क, चौमा रोड, न्यू कॉलोनी मार्केट, सेक्टर-29 मार्केट और सदर बाजार सहित सैकड़ों जगहों पर शाम ढलते ही तंदूर जलने शुरू हो जाते हैं। स्थिति यह है कि पॉश माने जाने वाले सिविल लाइंस एरिया में भी स्थित होटल, रेस्टोरेंट और ढाबों में खुलेआम तंदूरों में कोयला जलाया जा रहा है। प्रशासनिक अधिकारियों की इसी लचर कार्यशैली और उदासीनता के कारण शहर में प्रदूषण का स्तर कम होने का नाम नहीं ले रहा है। एक तरफ जहां नियमों की अनदेखी से प्रदूषण लगातार बढ़ रहा है, वहीं दूसरी तरफ नगर निगम ने प्रदूषण से निपटने के लिए अपने बेड़े को मजबूत करने का दावा किया है। निगम के बेड़े में नौ नई एंटी स्मॉग गन मशीनें शामिल की गई हैं।

रात में टहलने निकले दो दोस्तों पर फायरिंग

एजेंसी

नोएडा। सेक्टर-122 में शनिवार रात टहलने निकले दो दोस्तों पर फायरिंग करने का मामला सामने आया है। पीड़ित ने तीन लोगों पर जान से मारने की नीयत से गोली चलाने का आरोप लगाया है। हमले के दौरान दोनों दोस्तों ने मौके से भागकर अपनी जान बचाई। पीड़ित की शिकायत पर सेक्टर-113 थाना पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है। सेक्टर-122 के पर्थला निवासी सोनू ने पुलिस को दी शिकायत में बताया



कि वह शनिवार रात करीब साढ़े आठ बजे अपने दोस्त सुमित के साथ टहलने के लिए निकले थे। दोनों जनता फ्लैट सेक्टर-122 के गेट नंबर दो पर पहुंचे। वहां पहले से मौजूद राहुल उर्फ पप्पू राजपूत, अभिषेक शर्मा उर्फ अभी और उनके अन्य साथियों ने उन्हें घेर लिया। इसके बाद आरोपियों ने दोनों को निशाना बनाते हुए जान से मारने की नीयत से फायरिंग कर दी। अचानक हुई फायरिंग से दोनों दोस्त घबरा गए। गोली लगने के डर से दोनों मौके से भाग निकले। आसपास अफरातफरी मच गई।पीड़ित का आरोप है कि हमलावरों ने उन्हें जान से मारने की नीयत से हमला किया था। उन्होंने पुलिस की आपातकालीन सेवा 112 पर कॉल कर घटना की सूचना दी। पीड़ित ने अपनी शिकायत में राहुल उर्फ पप्पू राजपूत और अभिषेक शर्मा उर्फ अभी को नामजद करते हुए अन्य अज्ञात साथियों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की है। सेक्टर-113 थाना प्रभारी ने बताया कि पुलिस आरोपों की जांच कर रही है। हमले के पीछे की वजह भी पता लगाने का प्रयास किया जा रहा है। फिलहाल फायरिंग में किसी के घायल होने की जानकारी शिकायत में नहीं दी गई है।

पढ़ाई के साथ सेहत भी संवारेंगे गुरुग्राम के विद्यार्थी, दसवीं तक लागू होगा योग

एजेंसी

गुरुग्राम। स्कूलों में अब तक योग को सुबह की प्रार्थना सभा, विशेष आयोजनों और कभी-कभार होने वाली गतिविधियों तक सीमित रखा जाता रहा है, लेकिन आने वाले समय में यह तस्वीर बदल सकती है। पढ़ाई, परीक्षा और बेहतर अंक हासिल करने की दौड़ के बीच विद्यार्थियों की सेहत और मानसिक स्वास्थ्य भी एक बड़ी चुनौती बनते जा रहे हैं। ऐसे में योग को बाकायदा विषय के रूप में पढ़ाने की तैयारी की जा रही है। हरियाणा में नए शैक्षणिक सत्र अप्रैल 2027 से दसवीं कक्षा तक योग पाठ्यक्रम लागू करने की योजना है। इसका असर गुरुग्राम के स्कूलों में पढ़ने वाले विद्यार्थियों पर भी पड़ेगा। अब बच्चों को केवल योग के आसनों की जानकारी ही



नहीं दी जाएगी, बल्कि उनके महत्व, सही तरीके और नियमित अभ्यास की सीख भी पाठ्यक्रम का हिस्सा बनेगी। इसके लिए प्रदेशभर में करीब 10,500 शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की तैयारी है। शिक्षकों को दिया जाएगा प्रशिक्षण जिले में भी इस योजना को लेकर शिक्षकों को तैयार किया जा रहा है। गुरुग्राम के सरकारी प्राथमिक स्कूलों से एक-एक शिक्षक को सात दिवसीय प्रशिक्षण में शामिल करने की व्यवस्था बनाई गई है। वहीं शारीरिक शिक्षा से जुड़े शिक्षकों के लिए 30 दिवसीय प्रशिक्षण दो चरणों में निर्धारित किया गया। इस प्रशिक्षण में केवल सामान्य योगासन ही नहीं, बल्कि षट्कर्म, सूक्ष्म व्यायाम, प्राणायाम, ध्यान, हठयोग और योग के सैद्धांतिक पक्ष की जानकारी भी दी जाएगी। जिला आयुर्वेदिक अधिकारी डॉ. मंजू कुमारी के निर्देशन में योग विशेषज्ञ डॉ. भूदेव और योग सहायकों की ओर से प्रशिक्षण दिया जाएगा। प्रशिक्षण हासिल करने वाले शिक्षक आगे विद्यार्थियों को नियमित योगाभ्यास के लिए प्रेरित करेंगे। विद्यार्थियों को होंगे स्वास्थ्य संबंधी लाभ गुरुग्राम के स्कूलों में इस पहल का असर उन विद्यार्थियों पर भी पड़ सकता है जिनकी दिनचर्या लंबे समय तक कक्षा में बैठकर पढ़ने, मोबाइल और कंप्यूटर पर समय बिताने तथा परीक्षा की तैयारी में गुजरती है। नियमित योगाभ्यास से बच्चों को शारीरिक रूप से सक्रिय रखने, शरीर का संतुलन और लचीलापन बेहतर करने में मदद मिल सकती है। वहीं प्राणायाम और ध्यान के अभ्यास से एकाग्रता, आत्मनियंत्रण और तनाव से निपटने की क्षमता विकसित करने में सहायता मिल सकती है। पाठ्यक्रम में अभ्यास और सैद्धांतिक जानकारी खास बात यह होगी कि योग केवल सुबह की प्रार्थना सभा में कुछ आसन कराने तक सीमित नहीं रहेगा। यदि इसे व्यवस्थित पाठ्यक्रम के रूप में लागू किया जाता है तो विद्यार्थियों को अलग-अलग आसनों का उद्देश्य, उन्हें करने का सही तरीका, सावधानियां और शरीर पर पड़ने वाले प्रभावों की जानकारी भी मिलेगी। इससे बच्चों में कम उम्र से ही नियमित व्यायाम और स्वस्थ जीवनशैली अपनाने की आदत विकसित की जा सकेगी। इस योजना को स्कूलों में प्रभावी बनाने के लिए शिक्षकों का प्रशिक्षण महत्वपूर्ण होगा। गुरुग्राम में भी प्राथमिक और शारीरिक शिक्षा से जुड़े शिक्षकों को प्रशिक्षण देने की व्यवस्था इसी उद्देश्य से की जा रही है। प्रशिक्षित शिक्षक विद्यार्थियों की उम्र और शारीरिक क्षमता के अनुसार योगाभ्यास करा सकेंगे। इससे छोटे बच्चों को सरल आसनों और श्वसन अभ्यास से जोड़ने के साथ बड़ी कक्षाओं के विद्यार्थियों को ध्यान और प्राणायाम की जानकारी देना आसान होगा।

मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने किया पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना की एक इकाई का शुभारंभ

विद्युत की आवश्यकता पर पीक ऑवर्स में दो हज़ार मेगावाट बिजली मिल सकेगी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव ने मंदसौर जिले के गांधीसागर में कैबिनेट बैठक के पश्चात ग्रीनको पावर प्लांट ,रामपुर जिला नीमच का अवलोकन किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने इस अवसर पर परियोजना एक इकाई का बटन दबाकर शुभारंभ किया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने कहा कि बिजली उत्पादन के क्षेत्र में हाइड्रो पावर प्लांट और पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज एक नई तकनीक है। गांधीसागर में निर्मित पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना की कुल लागत 11 हजार 474 करोड़ रुपए है। इसके प्रारंभ होने के बाद प्रदेश में बिजली की मांग के पीक ऑवर्स में पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज से 2 हज़ार मेगावाट बिजली का उत्पादन होगा और मांग के अनुरूप तुरंत बिजली आपूर्ति की जा सकेगी। इससे प्रदेश में चौबीसों घंटे बिजली की पर्याप्त मात्रा में उपलब्धता सुनिश्चित होगी। नीमच जिले में ग्रीनको ग्रुप की 1920 मेगावाट भंडारण क्षमता वाली %गांधीसागर% पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना पर 11 हजार 500 करोड़ का निवेश किया जा रहा है। पूर्ण होने पर इसमें 1920 मेगावाट पूर्ण क्षमता पर लगातार 6 घंटे विद्युत उत्पादन किया जा सकेगा। परियोजना नीमच जिले की रामपुरा तहसील के खेमला ब्लॉक के गांव में स्थापित की जा रही है। परियोजना का निर्माण लगभग 414 हेक्टेयर भूमि पर किया जा रहा है। परियोजना देश ही नहीं पूरे एशिया में निर्माणाधीन सबसे बड़ी स्वतंत्र %पम्प्ड हाइड्रो स्टोरेज परियोजना% है।



इसमें दो जलाशय शामिल हैं।निचला जलाशय मौजूदा गांधीसागर जलाशय (कुल क्षमता लगभग 270 ञ्जस्ष्ट/7643.70 स्ष्टस्रू) है। परियोजना में गांधीसागर जलाशय से केवल 2.4 ञ्जस्ष्ट (67.66 स्ष्टस्रू) पानी का गैर-उपभोक्ता पुनः उपयोग किया जाएगा, यानी पानी की खपत नहीं होगी, बल्कि उसे चक्रिय रूप में बार-बार इस्तेमाल किया जाएगा। पंपिंग मोड (ऊर्जा भंडारण) अन्तर्गत दिन या रात के समय ग्रिड से मिलने वाली अतिरिक्त सौर या पवन ऊर्जा से दो दिशाओं में आगे-पीछे चलने वाली मोटरों के ज़रिए पानी को निचले जलाशय से ऊपरी जलाशय में पंप करके संग्रहित किया जाएगा। टरबाइन मोड (बिजली उत्पादन) अन्तर्गत अधिक मांग वाले व्यस्त समय (पीक ऑवर्स) में ऊपरी जलाशय से पानी निचले जलाशय में छोड़ा जाता है, जिससे मोटर्स विपरीत दिशा में घूमकर टरबाइन के रूप में आपूर्ति योग्य नवकरणीय (बिजली) पैदा की जाएगी। परियोजना 1920 मेगावाट की पूरी क्षमता पर लगातार 6 घंटे तक बिजली उत्पादन कर सकती है। टरबाइन मोड में इसका रेटेड हेड लगभग 122 मीटर है। परियोजना की राउंड ट्रिप एफीशिएंसी यानी संग्रहित ऊर्जा को वापस देने की क्षमता लगभग 80 प्रतिशत रहने का अनुमान है। इसमें कुल 9 टर्बाइन लगाए जा रहे हैं, इनसे कुल वार्षिक ऊर्जा उत्पादन क्षमता 3,580 मिलियन यूनिट होगी। जून 2027 से पूरी परियोजना का कमर्शियल ऑपरेशंस पूर्ण रूप से शुरू होगा। परियोजना में लगभग 4 हजार लोगों को रोजगार मिला है। संचालन एवं रखरखाव शुरु होने पर इस परियोजना से स्थायी रोजगार और इस क्षेत्र और संपूर्ण प्रदेश की अर्थव्यवस्था को लाभ मिलेगा। मुख्यमंत्री डॉ. यादव के समक्ष ग्रीन को कांफ्रेंस हॉल में, पावर प्लांट पर प्रस्तुतीकरण दिया गया। मुख्यमंत्री डॉ. यादव ने प्रोजेक्ट व्यू प्वाइंट और टरबाइन तथा पावर हाउस का अवलोकन किया और तकनीकी जानकारियां प्राप्त की।



बैरसिया में जिला पंचायत सीईओ ने की विभागीय योजनाओं की समीक्षा, अधूरे आवास जल्द पूर्ण करने के दिए निर्देश

ग्राम पंचायत सचिवों एवं रोजगार सहायकों को कारण बताओ नोटिस जारी करने के निर्देश, मनरेगा कार्यों और श्रमिक नियोजन में तेजी लाने पर दिया जोर

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मुख्य कार्यपालन अधिकारी, जिला पंचायत भोपाल द्वारा जनपद पंचायत बैरसिया के सभा कक्ष में विभिन्न विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में वीबी-जी राम जी, प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण, स्वच्छ भारत मिशन (एसबीएम), निर्माण कार्यों सहित अन्य योजनाओं की प्रगति की विस्तृत समीक्षा की गई। समीक्षा बैठक के दौरान मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने प्रधानमंत्री आवास योजना ग्रामीण के अंतर्गत लंबित एवं अपूर्ण आवासों को प्राथमिकता के आधार पर शीघ्र पूर्ण कराने के निर्देश दिए। उन्होंने वित्तीय वर्ष 2024-25 एवं 2025-26 के स्वीकृत आवासों को समय-सीमा में पूर्ण कराने तथा यह सुनिश्चित करने को कहा कि कोई भी पात्र हितग्राही आवास योजना के लाभ से वंचित न रहे। साथ ही हितग्राहियों को निर्धारित समय पर किस्तों का भुगतान करने और वीबी-जी राम जी के अंतर्गत आवास निर्माण में कार्यरत प्रत्येक पात्र हितग्राही को मजदूरी का भुगतान सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। अपूर्ण आवासों की स्थिति पर ग्राम पंचायत सचिवों एवं ग्राम रोजगार सहायकों के प्रति नाराजगी व्यक्त करते हुए उन्हें फटकार लगाई गई तथा संबंधितों को कारण बताओ सूचना पत्र जारी करने के निर्देश दिए गए। वीबी-जी राम जी योजना के अंतर्गत नवीन कार्यों की तकनीकी स्वीकृति शीघ्र जारी करने के लिए संबंधित उपयंत्रियों एवं सहायक यंत्रियों को निर्देशित किया गया। प्रत्येक ग्राम पंचायत में पांच-पांच रूफ वाटर हार्वेस्टिंग कार्य प्रारंभ कराने तथा जल गंगा संवर्धन अभियान के अंतर्गत नवीन कार्यों को तीन दिवस के भीतर प्रारंभ करने की समय-सीमा निर्धारित की गई। सामग्री भुगतान के लिए ऑनलाइन पोर्टल पर दर्ज लंबित देयकों को कार्यालय में प्रस्तुत कर भुगतान की प्रक्रिया पूर्ण करने तथा भुगतान उपरांत

बैरसिया में विधिक जागरूकता शिविर आयोजित, महिलाओं एवं बालिकाओं को अधिकारों और कानूनों की दी जानकारी

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

राष्ट्रीय विधिक सेवा प्राधिकरण के निर्देशानुसार एवं मध्यप्रदेश राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, जबलपुर के निर्देशन तथा प्रधान जिला एवं सत्र न्यायाधीश एवं जिला विधिक



सेवा प्राधिकरण, भोपाल के अध्यक्ष श्री मनोज कुमार श्रीवास्तव के मार्गदर्शन में सामुदायिकता प्रशिक्षण केंद्र, जनपद बैरसिया में विधिक जागरूकता शिविर का आयोजन किया गया। शिविर का मुख्य उद्देश्य महिलाओं के अधिकारों का संरक्षण, घरेलू हिंसा से बचाव, बालिकाओं के अधिकारों की जानकारी, पॉक्सो अधिनियम के प्रावधानों के प्रति जागरूकता तथा मध्यस्थता, लोक अदालत, भरण-पोषण एवं नि:शुल्क विधिक सहायता योजनाओं की जानकारी आमजन तक पहुंचाना था। कार्यक्रम में तहसील विधिक सेवा समिति, बैरसिया के अध्यक्ष एवं जिला एवं अतिरिक्त अपर सत्र न्यायाधीश श्री पवन कुमार बांदिल ने स्वरोजगार संबंधी प्रशिक्षण प्राप्त कर रही समूह सखियों को संबोधित किया। उन्होंने महिलाओं को उनके कानूनी अधिकारों एवं संरक्षण से संबंधित महत्वपूर्ण जानकारियां दीं। साथ ही NASA पोर्टल एवं टोल फ्री हेल्पलाइन नंबर 15100 के माध्यम से घर बैठे नि:शुल्क विधिक सलाह प्राप्त करने की प्रक्रिया समझाई।

देश की जनता सड़क पर अराजकता फैलाने वालों की मानसिकता समझती है, चुनाव में जवाब देगी

सरकार की उपलब्धियों और संगठन के कार्यों को जन-जन तक पहुंचाएं : हेमंत खण्डेलवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी एवं भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में मीडिया विभाग की बैठक को संबोधित किया। बैठक में प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर विशेष रूप से उपस्थित रहे। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी ने कहा कि भारत सबसे बड़ा लोकतांत्रिक देश है। देश में अराजकता फैलाकर सत्ता हासिल नहीं की जा सकती है। जनता सड़क पर अराजकता फैलाने वालों की मानसिकता समझती है, चुनाव में जवाब देगी। विप दल गलत नैरेटिव बनाकर जनता के बीच भ्रम फैलाते हैं। भाजपा मीडिया विभाग के सभी साथी तथ्यों के साथ विप के झूठ का पर्दाफाश कर जनता तक सच्चाई पहुंचाने का कार्य करें। भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि भाजपा विचारधारा आधारित दल है। पार्टी की विचारधारा को और मजबूत करने और आगे बढ़ाने के लिए मीडिया विभाग और



मजबूती के साथ कार्य करें। विभाग विभाग पार्टी का चेहरा होता है। आप सभी भाजपा सरकार के कार्यों और संगठन की गतिविधियों को जन-जन तक पहुंचाकर संगठन को और अधिक सशक्त बनाने का कार्य करें। बैठक में प्रदेश महामंत्री डॉ. सुमेर सिंह सोलंकी मंचासीन रहे। बैठक का संचालन प्रदेश मीडिया प्रभारी बृजगोपाल लोया ने किया। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी जी के नेतृत्व में वर्ष 2014 से देश में अद्वितीय कार्य किए गए हैं। सभी क्षेत्रों में भारत तेजी से आगे बढ़ रहा है। प्रधानमंत्री जी के नेतृत्व वाली सरकार ने देश के कई गंभीर विषयों का स्थायी समाधान किया है। भारत आत्मनिर्भर बनाने की दिशा में बहुत तेजी से आगे बढ़ रहा है। ऐसे में मीडिया विभाग के सभी साथीगण सरकार के कार्यों को जनता तक पहुंचाए। मध्यप्रदेश में मुख्यमंत्री डॉ. मोहन यादव के नेतृत्व में प्रदेश निरंतर प्रगति कर रहा है। प्रदेश सरकार के कार्यों और उपलब्धियां भी जनता तक पहुंचाकर यह बताएं कि भाजपा सरकार ही विकास कर सकती है। वर्षों तक सत्ता में रहने वाली कांग्रेस और अन्य विप दलों के पास जनता को बताने के लिए खुद की उपलब्धियां नहीं हैं, इसलिए गलत नैरेटिव बनाकर देश की जनता में भ्रम फैलाने की स्थिति निर्मित करने का प्रयास करते हैं।

संभागायुक्त शर्मा ने तैयारियों के संबंध में बैठक ली

आधुनिक तकनीक एवं नवाचार का उपयोग कर करें श्रेष्ट प्रबंधन - संभागायुक्त शर्मा

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भोपाल में प्रतिवर्ष आयोजित होने वाला इज्तिमा इस वर्ष 04 दिसंबर से 07 दिसंबर 2026 तक ईटखेड़ी में आयोजित किया जाएगा। संभागायुक्त कर्मवीर शर्मा ने बुधवार को इज्तिमा स्थल इटखेड़ी में , कार्यक्रम के दौरान नागरिक सुविधाओं, सुरक्षा आदि व्यवस्थाओं के लिये संबंधित अधिकारियों की बैठक लेकर आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। बैठक में कलेक्टर प्रियंक मिश्रा,आईजी भोपाल देहात मती रुचि वर्धन मिश्रा , एसपी देहात पंकज पांडे,सहित इज्तिमा समिति के पदाधिकारी एवं विभिन्न विभागों के अधिकारी उपस्थित थे। संभागायुक्त शर्मा ने कहा कि इज्तिमा में आधुनिक तकनीक एवं नवाचार का प्रयोग कर भीड़ प्रबंधन ,पानी के सदुपयोग एवं नवीकरणीय ऊर्जा का प्रयोग श्रेष्ठ प्रबंधन करें।



शर्मा ने कहा कि इज्तिमा में जीरो वेस्टेज की अवधारणा के साथ कार्य किया जाए । संभागायुक्त शर्मा ने सभी संबंधित विभागों को निर्देश दिए कि अपने-अपने कार्यों को निर्धारित समय-सीमा में पूर्ण करें तथा इज्तिमा स्थल पर आने वाले जमातों की सुरक्षा और सुविधा सर्वोच्च प्राथमिकता पर सुनिश्चित की जाए। भोपाल देहात आईजी मती मिश्रा ने निर्देश दिए कि इज्तिमा स्थल पर सुरक्षा व्यवस्था सुदृढ़ रखी जाए। स्थल पर पर्याप्त सीसीटीवी कैमरे स्थापित किए जाएं एवं भीड़ नियंत्रण की पर्याप्त व्यवस्था रहे तथा ट्रैफिक पुलिस द्वारा सुचारू यातायात सुनिश्चित किया जाए, ताकि जमातों को किसी भी प्रकार की असुविधा न हो। उन्होंने निर्देश दिए कि रेलवे स्टेशन और बस स्टैंड पर हैल्प डेस्क स्थापित किए जाएं, जिससे जमातों को सहायता मिल सके। संभागायुक्त ने कहा कि जिला प्रशासन एवं इज्तिमा समिति के बीच सुगम समन्वय और संचार बना रहे।

सुनियोजित कार्ययोजना से संगठन को और अधिक सशक्त बनाएं : चंद्रशेखर

1 से 25 दिसंबर तक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में चलेगा विशेष 'सेवा दूत' अभियान : खण्डेलवाल

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी, भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल एवं प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जी ने बुधवार को भाजपा प्रदेश कार्यालय में आयोजित प्रदेश पदाधिकारियों, संभाग प्रभारियों एवं जिला प्रभारियों, जिला अध्यक्षों की बैठक को संबोधित किया। बैठक में संगठनात्मक गतिविधियों, हाल ही में संपन्न अभियानों एवं कार्यक्रमों की समीक्षा के साथ आगामी कार्यक्रमों की रूपरेखा और उनके प्रभावी क्रियान्वयन को लेकर विस्तार से चर्चा की गई। भारतीय जनता पार्टी के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी ने बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी पदाधिकारियों और कार्यकर्ताओं को पूरी सक्रियता एवं समर्पण के साथ कार्य करना होगा।



भाजपा प्रदेश अध्यक्ष व विधायक हेमंत खण्डेलवाल ने कहा कि 1 से 25 दिसंबर तक प्रत्येक विधानसभा क्षेत्र में विशेष 'सेवा दूत' अभियान चलेगा, इसमें पूर्णकालिक कार्यकर्ता प्रवास करेंगे। पार्टी के प्रदेश संगठन महामंत्री चंद्रशेखर जी ने कहा कि संगठन की मजबूती के लिए सभी स्तरों पर बेहतर समन्वय और योजनाबद्ध कार्य जरूरी है। भाजपा के राष्ट्रीय सह संगठन महामंत्री शिवप्रकाश जी ने बैठकों को संबोधित करते हुए कहा कि भारतीय जनता पार्टी में संगठन की मजबूती का आधार कार्यकर्ता हैं। संगठन के प्रत्येक पदाधिकारी और जनप्रतिनिधि को यह समझना होगा कि पद केवल दायित्व नहीं, बल्कि कार्यकर्ताओं और जनता के प्रति जवाबदेही भी है। संगठन की वास्तविक मजबूती तभी संभव है, जब सभी स्तरों पर बेहतर संवाद, समन्वय और आपसी विश्वास के साथ कार्य किया जाए। संगठनात्मक कार्यों में केवल कार्यक्रमों का आयोजन ही पर्याप्त नहीं है।

साइबर अपराधों पर प्रभावी अंकुश और नागरिकों को बेहतर एवं साइबर सहायता उपलब्ध कराने पर जोर



1930 हेल्पलाइन को और अधिक सशक्त बनाने तथा ठगी गई धनराशि पीड़ितों को वापस दिलाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा साइबर अपराधों की रोकथाम, पीड़ितों को त्वरित सहायता उपलब्ध कराने और साइबर सुरक्षा व्यवस्था को और अधिक प्रभावी बनाने के उद्देश्य से अतिरिक्त पुलिस महानिदेशक साइबर श्री अंशुमान यादव की अध्यक्षता में साइबर मुख्यालय भोपाल में राज्य स्तरीय साइबर समीक्षा बैठक आयोजित की गई। बैठक में पूरे वर्ष के दौरान प्रदेश में घटित साइबर अपराधों की समीक्षा की गई तथा साइबर अपराधों पर प्रभावी नियंत्रण और नागरिकों को बेहतर पुलिस सेवाएं उपलब्ध कराने के संबंध में आवश्यक दिशा-निर्देश दिए गए। एडीजी साइबर श्री अंशुमान यादव ने साइबर सेल की कार्यप्रणाली को नागरिकों की अपेक्षाओं के अनुरूप और अधिक बेहतर बनाने तथा सिटीजन सर्विस डिलीवरी को प्राथमिकता देने पर जोर दिया। उन्होंने साइबर ठगी के मामलों में पीड़ितों की धनराशि वापस दिलाने के लिए विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए, ताकि पीड़ितों को आर्थिक राहत मिल सके। उन?होंने निर्देशित किया कि हेल्पलाइन पर प्राप्त शिकायतों पर त्वरित कार्रवाई सुनिश्चित की जाए, जिससे साइबर धोखाधड़ी के शिकार नागरिकों को समय पर सहायता मिल सके और उनकी शिकायतों का प्रभावी निराकरण हो। बैठक में विशेष रूप से 1930 सिटीजन हेल्पलाइन को और अधिक सशक्त एवं प्रभावी बनाने पर जोर दिया गया। बैठक में पीड़ितों की सुरक्षा, साइबर अपराध संबंधी शिकायतों के त्वरित निराकरण तथा प्रकरणों में प्रभावी कार्रवाई सुनिश्चित करने के लिए राज्य एवं जिला स्तर पर कार्यरत साइबर इकाइयों के बीच बेहतर समन्वय स्थापित करने पर भी चर्चा की गई। साइबर अपराधों से प्रभावी ढंग से निपटने और नागरिकों को बेहतर सेवाएं उपलब्ध कराने की दिशा में साइबर शाखा को और अधिक सुदृढ़ किया जा रहा है। लंबे समय से रिक्त चल रहे पदों पर पदस्थापनाएं कर मानव संसाधन की उपलब्धता सुनिश्चित की गई है तथा कार्यप्रणाली को अधिक प्रभावी बनाने के लिए आवश्यक कदम उठाए गए हैं। इसी क्रम में लंबे समय से रि?त पद पर डीआईजी डॉ. विनीत कपूर को पद?थ किया गया है साथ ही साइबर अपराधों में विशेष योग्यता रखने वाले एसपी साइबर श्री साई कृष्णा थोटा ने भी पदभार ग्रहण किया है। बैठक में डीआईजी डॉ. विनीत कपूर एवं एसपी साइबर श्री साई कृष्णा थोटा सहित संबंधित अधिकारी उपस्थित रहे।

नशा मुक्ति के लिए अशोकनगर पुलिस की अभिनव पहल 'स्वजन सहयोग कार्यक्रम'

नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने के साथ नशे की गिरफ्त में आए व्यक्तियों को उपचार एवं पुनर्वास से जोड़ने का प्रयास

प्रातःकाल एक्सप्रेस, भोपाल

नशा मुक्त समाज के निर्माण और नशे के अवैध कारोबार पर प्रभावी अंकुश लगाने के लिए मध्यप्रदेश पुलिस द्वारा कानून सम्मत कार्रवाई के साथ-साथ सामाजिक सहभागिता एवं जनजागरूकता पर भी विशेष जोर दिया जा रहा है। इसी दिशा में अशोकनगर पुलिस द्वारा पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा के निर्देशन में 'स्वजन सहयोग कार्यक्रम' प्रारंभ किया गया है। इस अभिनव पहल के माध्यम से नशे के अवैध कारोबार में पूर्व में संलिप्त रहे व्यक्तियों की गतिविधियों पर निगरानी रखने, उनके परिजनों से संवाद स्थापित करने तथा नशे की गिरफ्त में आए व्यक्तियों को उपचार, सहयोग एवं पुनर्वास के जरिए समाज की मुख्यधारा से जोड़ने का प्रयास किया जा रहा है। कार्यक्रम के प्रथम चरण में पुलिस टीम द्वारा अवैध मादक पदार्थों की बिक्री एवं नशे के कारोबार में पूर्व में संलिप्त रहे व्यक्तियों के घर पहुंचकर उनके परिजनों से मुलाकात की गई। इस दौरान संबंधित व्यक्तियों की वर्तमान गतिविधियों एवं स्थिति की जानकारी प्राप्त की गई। साथ ही परिजनों से अपील की गई कि यदि संबंधित व्यक्ति पुनः किसी अवैध नशे के कारोबार में संलिप्त होता है अथवा किसी संदिग्ध गतिविधि की जानकारी मिलती है, तो तत्काल पुलिस को सूचित करें, ताकि समय रहते प्रभावी वैधानिक कार्रवाई की जा सके। ' स्वजन सहयोग कार्यक्रम' के अंतर्गत पुलिस अधीक्षक कार्यालय अशोकनगर में नशे से प्रभावित व्यक्तियों एवं उनके परिजनों के साथ विशेष संवाद कार्यक्रम आयोजित



किया गया। इसमें नशा छोड़कर सामान्य जीवन में लौट चुके व्यक्तियों के अनुभव भी साझा किए गए। कार्यक्रम में नशा छोड़ चुके व?यक्ति ने बताया कि वह पूर्व में नशे का आदी था, लेकिन अशोकनगर पुलिस के सहयोग से नशा मुक्ति केंद्र में उपचार प्राप्त करने के बाद उसने नशा छोड़ दिया और अब सामान्य जीवन व्यतीत करते हुए समाज की मुख्यधारा से जुड़ गया है। उसके इस सकारात्मक बदलाव एवं प्रयासों की सराहना करते हुए पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा द्वारा उसे सम्मानित किया गया तथा नगर रक्षा समिति में शामिल किया। पुलिस अधीक्षक श्री राजीव कुमार मिश्रा ने परिजनों को आश्वस्त किया कि नशा मुक्ति के प्रयासों में आने वाली समस्याओं के समाधान के लिए पुलिस हरसंभव सहयोग करेगी। नशा छोड़कर सामान्य जीवन प्रारंभ करने वाले व्यक्तियों को जीवनयापन एवं पुनर्वास के लिए आवश्यक सहायता उपलब्ध कराने में भी सहयोग किया जाएगा। इस पहल का उद्देश्य नशे से प्रभावित व्यक्तियों को केवल समस्या के रूप में देखने के बजाय उन्हें उपचार, परिवार के सहयोग एवं सकारात्मक वातावरण के माध्यम से समाज की मुख्यधारा से जोड़ना है। नशे के अवैध कारोबार पर अंकुश लगाने और नशा मुक्त समाज के निर्माण में पुलिस के साथ परिवार एवं समाज की सहभागिता भी अत्यंत महत्वपूर्ण है। आमजन अवैध मादक पदार्थों की बिक्री अथवा नशे के कारोबार से संबंधित किसी भी जानकारी को तत्काल पुलिस के साथ साझा करें। सूचना देने वाले की पहचान गोपनीय रखी जाएगी।

सर्दियों में घनी और हरी भरी रहेंगी तुलसी की पत्तियां, अपनाएं ये हैक्स



सर्दियों में तुलसी की पत्तियां सिकुड़ने लगती हैं और पाला पड़ने पर इसकी ग्रोथ भी कम हो जाती है. कुछ आसान से हैक्स अपनाकर आप ठंड में भी तुलसी को हराभरा और घना बनाए रख सकते हैं. नोट कर लें ये टिप्स.

तुलसी एक ऐसा पौधा है जो धार्मिक रूप से बहुत महत्व रखता है और ये मेडिसिनल प्रॉपर्टीज से भी भरपूर होता है. बहुत ज्यादा गर्मी या बहुत ज्यादा सर्दी हो और तुलसी की सही देखभाल न की जाए तो ये पौधा सूखने लगता है. सर्दियों में खासकर धूप की कमी, पाला पड़ना जैसी वजहों से तुलसी मुरझा जाती है और इसकी पत्तियां काली पड़कर झड़ना शुरू हो जाती हैं. इस आर्टिकल में जानिए कि कैसे आप तुलसी को सर्दियों में हरा रख सकते हैं.सर्दी के दिनों में ही तुलसी की ज्यादा आवश्यकता पड़ती है, क्योंकि इस दौरान जुकाम, खांसी, खराश जैसी दिक्कतों में ये राहत दिलाने में कारगर रहती है. फिलहाल अगर तुलसी की देखभाल के सही तरीके और कुछ हैक्स पता हो तो आप सूखते हुए पौधे को भी दोबारा से हरा कर सकते हैं.

पौधे की मंजरी हटा दें

आपके तुलसी के पौधे पर अगर बहुत सारी मंजरी है और उसमें से कुछ सूखना भी शुरू हो गई है तो इसे हटा दें. सारी मंजरी को धीरे-धीरे तोड़ें ताकि तने पर खिंचाव न पड़े. हरी मंजरी का इस्तेमाल चाय में कर लें और सूखी हुई मंजरी से बीज निकालकर गमले में ही डाल दें. इससे और भी पौधे उग जाएंगे. दरअसल जब पौधे पर बहुत सारी मंजरी निकल आती हैं तो उसकी ग्रोथ कम हो सकती है. दरअसल जब पौधे पर बहुत सारे फूल या बीज आते हैं तो वो अपनी पूरी ऊर्जा उसी पर लगाते हैं, जिससे नई पत्तियों और शाखाओं की ग्रोथ धीमी होने लगती है.

कपड़े से ढक दें तुलसी

ज्यादा सर्दी होती है तो पाला और बर्फीली हवा की वजह से तुलसी की पत्तियां सिकुड़कर सूखना शुरू हो जाती हैं. इससे पौधा घना नहीं हो पाता है. इससे बचाने के लिए पौधे को ऐसी जगह रखें जहां इसे हल्की धूप मिलती रहे और हवा, कोहरे से बी बचाव हो. इसके अलावा एक हल्के सूती कपड़े से तुलसी को ढककर रखना चाहिए.

गुड़ाई करना और पानी डालना

सर्दियों में गमले की मिट्टी जाम हो जाती है. इस वजह से पानी गमले में ही रुकने लगता है, नतीजा पौधा सूखना शुरू हो जाता है. समय-समय पर मिट्टी की गुड़ाई करते रहें और चेत करें कि पानी की निकासी सही है या फिर नहीं. गुड़ाई करने के बाद मिट्टी में 1 से डेढ़ महीने में थोड़ी खाद भी डालते रहें. ध्यान रखें कि पौधे में तब तक पानी न डालें, जब तक कि मिट्टी सूखने न लगे.

ये घोल आएंगे काम

तुलसी के पौधे को हरा भरा रखने के लिए आप गुड़ाई करने के बाद पुराना गोबर पानी में घोलकर गमले में डाल सकते हैं. इसके अलावा थोड़ी मात्रा में एप्सम सॉल्ट को पानी में घोलकर पत्तियों पर स्प्रे करने से ये हरी बनी रहती हैं. कच्चे दूध और पानी का घोल भी आप पौधे की जड़ में डाल सकते हैं, जिससे प्लांट को पोषण मिलता है.

सूखते पौधे को बचाने का हैक

पौधा सूख रहा है तो इसके तने को दो से तीन जगह से हल्का खुरचकर देखें कि कहां से अंदर से हरा है और कहां तक पूरी तरह से सूख चुका है. जो टहनियां बिल्कुल सूख गई हैं वहां से कैंची की मदद से इसे अलग कर दें. अब जो कटी हुई टहनियां हैं .

भाजपा साध रही परिसीमन और महिला आरक्षण पर दोहरा निशाना



%इंडिया% गठबंधन को भाजपा की इस रणनीति के बारे में पहले से पता है। वे संसद में इन बिलों को एकजुट होकर हराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और साथ ही उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में भाजपा की चाल को भी नाकाम करने के लिए तैयार हैं। डीएमके, एनसीपी (शरद पवार) और सपा के क्षेत्रीय हित, कांग्रेस के राष्ट्रीय हितों से अलग हैं। नक्शे देखें

रतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने संसद के विशेष सत्र की योजना बनायी है ताकि संसदीय निर्वाचन क्षेत्रों के परिसीमन और महिला आरक्षण बिल फिर लाया जाये, जिस पर चर्चा भी तेज कर दी गयी है। हालांकि भाजपा के पास लोकसभा और राज्यसभा, दोनों सदनों में दो-तिहाई बहुमत नहीं है, लेकिन केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ने कथित तौर पर कहा है कि ये विधेयक 15-18 वोटों के अंतर से पारित हो जाएंगे।कांग्रेस महासचिव जयराम रमेश ने 12 नवंबर को सोशल मीडिया एक्स पर लिखा, मंत्री ने आज पत्रकारों के एक समूह से अनौपचारिक बातचीत के दौरान परिसीमन के मुद्दे को फिर से हवा दी है। उन्होंने आज दोपहर बताया कि जल्द ही संसद का 3 दिवसीय विशेष सत्र बुलाया जाएगा और ये बिल 15-18 वोटों के अंतर से पारित कर दिए जाएंगे। रमेश ने आगे कहा, उन्होंने सात महीने पहले भी यही बात कही थी, लेकिन 17 अप्रैल को लोकसभा में उन्हें करारी हार का सामना करना पड़ा था, जहां वे बहुमत के आंकड़े से 50 से अधिक वोट पीछे रह गए थे। वे सिर्फ डींगें हांकने और झांसा देने में माहिर हैं। उनका बुलडोजर तब भी काम नहीं आया था और आगे भी काम नहीं आएगा।

13 अगस्त को संसद के मानसून सत्र के अनिश्चितकाल के लिए स्थगित होने के बाद से ही विशेष सत्र बुलाए जाने की अटकलें लगाई जा रही थीं, क्योंकि सत्र का सत्रावसान नहीं किया गया था। इससे यह कयास लगाए जाने लगे कि सरकार विवादित बिलों को पारित कराने के लिए विशेष सत्र बुला सकती है–वही बिल जो बजट सत्र के दौरान पारित नहीं हो पाए थे। चूंकि सत्र का सत्रावसान नहीं हुआ है, इसलिए केवल दो दिन के नोटिस पर विशेष सत्र बुलाया जा सकता है। वहीं, शीतकालीन सत्र 30 नवंबर से 4 दिसंबर के बीच शुरू होने की संभावना है, जिसके लिए 14 दिन के नोटिस की आवश्यकता होती है। हालांकि विशेष सत्र की आधिकारिक घोषणा अभी नहीं हुई है, लेकिन मीडिया में यह मान लिया गया है कि यह सत्र आयोजित होगा–भले ही सरकार इन बिलों को पारित कराने में सफल हो या न हो। भाजपा के इस आक्रामक रुख के पीछे दो मुख्य लक्ष्य हैं। पहला, बिल पास कराने के लिए जरूरी संख्या जुटाना। दूसरा, विपक्ष की उस एकजुटता को कमजोर करना जो उन्होंने हाल ही में सीईसी और एसआईआर से जुड़े आंदोलनों के दौरान दिखाई थी। इसके अलावा, इसका एक मकसद 2027 की शुरुआत में उत्तर प्रदेश में होने वाले विधानसभा चुनावों को प्रभावित करना भी है। उत्तर प्रदेश से लोकसभा में सबसे ज्यादा सांसद चुनकर आते हैं, और केंद्र की सत्ता काफी हद तक इसी राज्य पर निर्भर करती है।ऐसी खबरें हैं कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने परिसीमन और महिला आरक्षण बिल पर समर्थन पाने के लिए डीएमके और शरद पवार की एनसीपी को कैबिनेट में जगह देने का प्रस्ताव दिया है। इससे पहले, इन दोनों पार्टियों ने संकेत दिया था कि वे परिसीमन बिल का समर्थन कर सकती हैं, बशर्ते उनके राज्यों–तमिलनाडु और महाराष्ट्र–के हितों की रक्षा की जाए। हालांकि, दोनों पार्टियां एक मुश्किल स्थिति में हैं। वे शायद ही कैबिनेट में कुछ सीटों के लिए अपनी पूरी राजनीतिक पहचान और भविष्य को दांव पर लगाना चाहें, खासकर तब जब इससे केवल भाजपा के राजनीतिक हितों को ही फायदा पहुंचे। समाचार पढ़ेंभाजपा को यह बात पता है, लेकिन वह लगातार यह आख्यान आगे बढ़ा रही है कि उनके पास पर्याप्त बहुमत है और वे 15-18 सीटों के अंतर से बिल पास करा लेंगे। यह दावा विश्वसनीय नहीं लगता, क्योंकि 543 सदस्यों वाली लोकसभा में एनडीए के पास केवल 319 सांसद हैं, और 250 सदस्यों वाली राज्यसभा में सिर्फ 154 सांसद हैं। लोकसभा में अभी तीन सीटें खाली हैं, इसलिए भाजपा को बिल पास कराने के लिए लोकसभा में 360 और राज्यसभा में 163 वोटों की जरूरत होगी। भाजपा का कहना है कि लोकसभा में उनके पास 320 वोट हैं। अगर यह मान भी लें, तब भी दोनों सदनों में जरूरी संख्या का बड़ा अंतर है, जिससे इन बिलों के पास होने की कोई संभावना नहीं दिखती।इसके बावजूद, भाजपा इन बिलों को आगे बढ़ाने की कोशिश कर रही है, क्योंकि उनका मकसद सिर्फ विपक्ष से समर्थन पाना नहीं है। वे %इंडिया' गठबंधन की पार्टियों से अलग-अलग बात करके विपक्ष को कमजोर करना चाहते हैं और गठबंधन का नेतृत्व कर रही कांग्रेस को अलग-थलग करने की कोशिश कर रहे हैं।लोकसभा में डीएमके के 22, एनसीपी (शरद पवार) के 8 और झामुमो के 3 सांसद हैं। भाजपा के प्रतिनिधियों ने इन सभी से बातचीत की है। भाजपा %लेन-देन' की नीति में विश्वास रखती है, और ऐसी खबरें हैं कि उन्होंने इन दलों को कैबिनेट में जगह और अन्य फायदे देने का लालच दिया है। भाजपा इस संभावना पर काम कर रही है कि अगर ये दल उनके पक्ष में वोट नहीं दे सकते, तो कम से कम वोटिंग से दूर ही रहें।

इससे दो-तिहाई बहुमत के लिए जरूरी वोटों की संख्या कम हो जाएगी।राज्यसभा में, डीएमके सांसदों की गैर-मौजूदगी में भी, एनडीए को दो-तिहाई बहुमत के लिए 157 वोटों की जरूरत होगी। ऐसे में एनडीए को बीजेडीऔर वाईएसआरसीपी के समर्थन की आवश्यकता होगी, जो फिलहाल न तो एनडीए का हिस्सा हैं और न ही इंडिया गठबंधन का।भाजपा के कुछ नेताओं का कहना है कि वे उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी (सपा) से भी बातचीत कर रहे हैं। लोकसभा में अभी समाजवादी पार्टी के पास 37 सीटें हैं। राज्य में चुनाव होने वाले हैं, इसलिए समाजवादी पार्टी परिसीमन का विरोध नहीं कर सकती, क्योंकि इस प्रक्रिया से राज्य को सबसे ज्यादा फायदा होगा साथ ही, समाजवादी पार्टी महिला आरक्षण के खिलाफ भी नहीं जा सकती, क्योंकि इससे उनके राजनीतिक भविष्य पर बुरा असर पड़ सकता है। लेकिन ये तर्क बचकाने हैं।

समाजवादी पार्टी इस समय इंडिया गठबंधन का साथ नहीं छोड़ सकती, क्योंकि ऐसा करना पार्टी के लिए राजनीतिक आत्महत्या के समान होगा। फिर भी, भाजपा उत्तर प्रदेश में समाजवादी पार्टी और कांग्रेस के बीच के तालमेल को तोड़ने की पूरी कोशिश कर रही है। वह सपा को मनाने की कोशिश कर रही है कि वे वोटिंग से दूर रहें। इससे दो-तिहाई बहुमत के लिए जरूरी वोटों की संख्या कम हो जाएगी, और तभी बिल पास हो पाएगा। भाजपा का मानना है कि अगर वे संसद में बिल पास नहीं भी करा पाते हैं, तो भी वे उत्तर प्रदेश में सपा और कांग्रेस के खिलाफ यह प्रचार कर सकते हैं कि ये पार्टियां उत्तर प्रदेश-विरोधी और महिला-विरोधी हैं। इससे राज्य में भाजपा के सत्ता में बने रहने की संभावना बेहतर हो जाएगी।इंडिया' गठबंधन को भाजपा की इस रणनीति के बारे में पहले से पता है।

वे संसद में इन बिलों को एकजुट होकर हराने के लिए प्रतिबद्ध हैं, और साथ ही उत्तर प्रदेश के चुनावी मैदान में भाजपा की चाल को भी नाकाम करने के लिए तैयार हैं। डीएमके, एनसीपी (शरद पवार) और सपा के क्षेत्रीय हित, कांग्रेस के राष्ट्रीय हितों से अलग हैं। परिसीमन का समर्थन करना या वोटिंग से दूर रहना, उनके अपने-अपने राज्यों में राजनीतिक आत्महत्या जैसा होगा। वे कुछ समय के फायदे के लिए ऐसा जोखिम नहीं उठा सकते।

संपादकीय

एआई के संकल्प

ऐसे वक्त में जब दुनिया में तकनीकी वर्चस्व वैश्विक आर्थिक और रणनीतिक प्रतिस्पर्धा के केंद्र में आ गया है, 'सैन 'फ्रांसिस्को घोषणा' के गहरे निहितार्थ और महत्व को समझना कठिन नहीं है। महत्वपूर्ण बात यह है कि इस घोषणा पर अमेरिका और भारत सहित नौ अन्य विकसित देशों ने हस्ताक्षर किए हैं। यह समझौता इस बात पर जोर देता है कि अंतर्राष्ट्रीय सहयोग के बल पर ही आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की वैश्विक आपूर्ति श्रृंखला को सुरक्षित किया जा सकता है। वहीं दूसरी ओर घोषणा का एक अघोषित उद्देश्य इस उभरती हुई नई प्रौद्योगिकी में चीन के निरंतर बढ़ते दबदबे का मुकाबला करना भी है। चीन ने एक सुनियोजित ढंग से आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस में व्यापक और दीर्घकालीन निवेश किया है। इसमें दो राय नहीं कि उसकी उपलब्धियां अमेरिकी वर्चस्व को चुनौती देने वाली हैं। यही वजह है कि अमेरिका ने 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' को हकीकत बनाने को प्राथमिकता दी है। अमेरिका दुनिया में आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस की बढ़ती भूमिका के चलते इस दौर को 'सुपर इंटेलिजेंस युग' का नाम देता है। अमेरिका की 'पैक्स सिलिका' पहल एक बुनियादी सच्चाई को स्वीकार करती है कि दुनिया का कोई भी देश अकेले बूते पर बेहद जटिल प्रक्रिया वाले एआई इकोसिस्टम की हर कड़ी को सुरक्षित नहीं कर सकता है। उदाहरण के तौर पर देखें तो महत्वपूर्ण खनिजों और सेमीकंडक्टर निर्माण से लेकर ऊर्जा नेटवर्क और डिजिटल बुनियादी ढांचे तक, तकनीकी प्रगति आपस में जुड़ी वैश्विक आपूर्ति श्रृंखलाओं पर निर्भर करती है। इस श्रृंखला में किसी भी तरह का अवरोध किसी भी देश के आर्थिक ढांचे को गहरे तक प्रभावित कर सकता है। दूसरे शब्दों में कहें तो इन नेटवर्कों में यदि किसी भी तरह का व्यवधान पैदा होता है तो उसके दूरगामी आर्थिक और भू-राजनीतिक दुष्परिणाम सामने आ सकते हैं। जो किसी भी संप्रभु राष्ट्र के लिये, इस सुपर इंटेलिजेंस युग वाले दौर में तमाम चुनौतियां खड़ी कर सकता है।निश्चित रूप से 'सैन फ्रांसिस्को घोषणा' पर भारत का हस्ताक्षर करना एआई के दौर में हमारी उपलब्धियों की वैश्विक स्वीकार्यता का ही परिचायक है। भारत के लिए अमेरिका और अन्य विकसित देशों के साथ शामिल होना जहां एक ओर अच्छा रणनीतिक अवसर है, वहीं देश को जिम्मेदारियों का अहसास भी कराता है। भारत हालिया वर्षों में एक उभरते हुए टेक्नोलॉजी बाजार के रूप में सामने आया है। भारत की महत्वाकांक्षा वैश्विक सेमीकंडक्टर और मैन्युफैक्चरिंग हब बनने की रही है। हाल के वर्षों में भारत ने आस्ट्रेलिया, न्यूजीलैंड, ब्रिटेन और कई मध्यपूर्व के देशों के साथ मजबूत व्यापारिक साझेदारियां की हैं। जाहिर तौर पर ये विकसित व मजबूत आर्थिक देश जब कोई साझेदारी करते हैं तो उन्हें कुछ पाने की ही उम्मीद होती है। ऐसे में भारत इन मजबूत साझेदारियों, विभिन्न आपूर्ति श्रृंखलाओं, निवेश और उन्नत तकनीकों का बेहतर ढंग से लाभ उठा सकता है। इस बात में दो राय नहीं हो सकती है कि इन भरोसेमंद साझेदारों के साथ सहयोग करने से भारत पहले की तरह चंद देशों पर अत्यधिक निर्भरता कम कर सकता है। बदलते वैश्विक परिदृश्य में एक देश पर निर्भर रहना आर्थिक संप्रभुता के लिये चुनौती बन सकती है। ऐसे में नये भरोसेमंद साझेदारों के साथ देश की अर्थव्यवस्था को मजबूती देने में मदद मिल सकती है। विडंबना यह भी है कि यह घोषणा ऐसे समय में सामने आई है, जब आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस क्रांति की अगुवाई करने वाली शीर्ष कंपनियों में से एक-एनवीडिया विवादों में घिरी है और उसके शेयरों पर प्रतिकूल असर पड़ा है। विवाहेतर संबंधों व कथित चीनी जासूस से संबंधों को लेकर इसके संस्थापक जेनसेन हुआंग को एनवीडिया से बाहर जाना पड़ा है। इस अनिश्चितता के बीच, टेक कंपनियों द्वारा एनवीडिया की चिप्स और डेटा सेंटर इंफ्रास्ट्रक्चर में किए जा रहे भारी निवेश की निरंतरता को लेकर सवाल उठ रहे हैं। निस्संदेह, अमेरिका के नेतृत्व वाली इस पहल की सफलता टेक्नोलॉजी ट्रांसफर, निवेश और मजबूत घरेलू क्षमताओं पर निर्भर करेगी।

ईरान के खिलाफ युद्ध के अगले चरण की तैयारी



अमेरिकी संदेश इसी नीतिगत खींचतान को उजागर करते हैं। इनमें से कोई इस सवाल का जवाब नहीं देता कि इज़रायल नई सैन्य कार्रवाई चाहे तो वाशिंगटन किसका समर्थन करेगा। एनपीआर की तैयारियों की रिपोर्ट, और साथ यह टिप्पणी कि उनका मकसद ईरान को समझौते की ओर अकेलना भी हो सकता है, साफ करती है कि तैयारी को अंतिम फैसला नहीं समझना चाहिए। यॉर्क में इज़रायली और अमेरिकी बयान तैयारी और तिरोध पर जोर देते नज़र आ रहे हैं, मगर ईरान पर हमले के किसी घोषित फ़ैसले का संकेत नहीं देते। कुल मिलाकर यह सैन्य तैयारी, कूटनीतिक दबाव और क्षेत्रीय जोखिमों का अस्थिर मेल है, जिसका असर ऊर्जा सुरक्षा, जहाजरानी और भारत के रणनीतिक संतुलन तक पहुंचता है।ईरान के साथ संभावित नई जंग के लिए इज़रायली-अमेरिकी तैयारियां तेज हो रही हैं। रिपोर्टों के मुताबिक बेंजामिन नेतन्याहू ने हाल के दिनों में रोजाना डोनाल्ड ट्रंप को फोन कर नए हमलों पर ज़ोर दिया, जबकि वाशिंगटन कूटनीति और दबाव के बीच संतुलन तौल रहा है। न्यूयॉर्क में इजरायल हयोम समिट में दिए गए बयान तैयारी को रेखांकित करते हैं, मगर किसी आत्कालिक हमले की पुष्टि नहीं करते।

इज़रायल हयोम समिट' एक अखबार द्वारा आयोजित सम्मेलन है, कोई सरकारी या सैन्य योजना मंच नहीं। इसका न्यूयॉर्क में दूसरा संस्करण 11 नवंबर को मैनहट्टन में हुआ, जिसमें इज़रायली और अमेरिकी राजनीतिक व सुरक्षा हस्तियों ने द्विपक्षीय संबंधों और कूटनीति पर चर्चा की। इज़रायली रक्षा कंपनी आईएआई के मुख्य कार्यकारी अधिकारी सीईओ बोआज़ लेवी ने इज़रायली समाचार-पत्र हयोम को इंटरव्यू दिया; लेकिन उनकी बातें उनका निजी आकलन हैं, युद्ध का आधिकारिक इज़रायली फैसला नहीं।टाइम्स ऑफ इज़रायल और एक्सियोस ने इज़रायली व अमेरिकी सूत्रों के हवाले से अलग-अलग बताया कि नेतन्याहू ने हालिया कॉल में ट्रंप से जल्द ईरान पर हमला करने को कहा। उधर लेवी ने 11 नवंबर की समिट में कहा कि इज़रायल को ईरान के साथ एक और युद्ध के लिए तैयार रहना चाहिए, और सवाल अगर' का नहीं बल्कि कब' का है।

बयान क्या कहते हैं, और क्या नहीं

लेवी ने ईरानी मिसाइल बौछारों के खिलाफ एरो मिसाइल रक्षा प्रणाली के प्रदर्शन का ज़िक्र किया, 92 प्रतिशत इंटरसेप्शन दर का दावा किया, और कहा कि इज़रायल और अमेरिका इंटरसेप्टरों का उत्पादन बढ़ा रहे हैं और अधिक ऊंचाई पर रोकने की क्षमता चाहते हैं। उन्होंने एक इज़रायली उपग्रह का भी ज़िक्र किया जो लड़ाकू पायलट को वास्तविक समय में दिशा देता है। ये बयान अहम हैं, मगर रक्षा उद्योग के प्रमुख के हैं, सरकारी घोषणा नहीं।उसी समिट में अमेरिकी बयान अधिक राजनीतिक थे। इज़रायली समाचार-पत्र हयोम के अनुसार संयुक्त राष्ट्र में अमेरिकी राजदूत माइक वाल्ट्ज ने ईरानी शासन को पहले से अधिक कमजोर बताया और कहा कि अब्राहम समझौते फैल रहे हैं। सितंबर में अल-मॉनिटर को एक अलग इंटरव्यू में उन्होंने कहा था कि ईरान के लिए वार्ता में लौटने का दरवाजा खुला है और समय वाशिंगटन के पक्ष में है। यानी दबाव और कूटनीति साथ-साथ चल रही रणनीतियां दिखती हैं; यह एक और हमले की सार्वजनिक अमेरिकी प्रतिबद्धता नहीं है। सैन्य तैयारियों की खबरों के बीच यह अंतर बेहद अहम है। एनपीआर ने अक्टूबर में अमेरिकी-इज़रायली युद्ध योजना से वाकिफ एक व्यक्ति के हवाले से बताया कि दोनों देश अमेरिकी मध्यावधि चुनावों के बाद संभावित हमले की तैयारी कर रहे हैं। रिपोर्ट में यह भी कहा गया था कि सैन्य जमावड़े का मकसद तेहरान पर समझौते के लिए दबाव डालना भी हो सकता है।

यह दावा एक अनाम सूत्र से जुड़ा था, आधिकारिक नीति के रूप में घोषित नहीं। लेवी के बयान दीर्घकालिक तैयारी की धारणा को मजबूत करते हैं, मगर किसी आसन्न कार्रवाई की स्वतंत्र पुष्टि नहीं करते और न उसके उद्देश्य बताते हैं। क्षेत्रीय सुरक्षा- प्रतिरोध, तनाव और गलत आकलन पहला क्षेत्रीय निहितार्थ यह है कि मिसाइल रक्षा को स्थायी जरूरत माना जा रहा है; लेवी के ब्योरे से झलकता है कि इज़रायल की नजर में ईरान की बैलिस्टिक मिसाइल क्षमता भविष्य की सुरक्षा योजना में केंद्रीय रहेगी। बेहतर इंटरसेप्शन हमले के अपेक्षित नुकसान को घटाकर प्रतिरोध को मजबूत कर सकता है।लेकिन यह सुरक्षा की गारंटी नहीं है- ऊंची इंटरसेप्शन दर के बावजूद मिसाइलें गिर सकती हैं, और लंबे या बार-बार के हमलों में इंटरसेप्टरों की लागत और उपलब्धता बाधा बन सकती है। 92 प्रतिशत का आंकड़ा हयोम के अनुसार लेवी का दावा है, स्वतंत्र रूप से सत्यापित आंकड़ा नहीं।व्यापक खतरा सुरक्षा दुविधा का है। इज़रायल जिन तैयारियों को रक्षात्मक कहता है, यानी ज्यादा इंटरसेप्टर, बेहतर सेंसर और अंतरिक्ष आधारित तालमेल, तेहरान उन्हें नए आक्रामक कदम की नींव मान सकता है। तब ईरान अपनी सैन्य तैयारियों या क्षेत्रीय जहाजरानी और बुनियादी ढांचे पर दबाव से प्रतिरोध बहाल करने की कोशिश कर सकता है।



नौनिहालों के लिए विशेष सुरक्षा है जरूरी

चारों तरफ लगातार बढ़ते प्रदूषण का असर हमारी सेहत पर किस तरह पड़ रहा है, इस बारे में अलग से कुछ कहने की जरूरत नहीं। चाहे वह हमारे आस-पास की हवा हो जिसमें हम सांस लेते हैं या फिर जो पानी हम पी रहे हैं, हर जगह बढ़ते प्रदूषण की मार तो है ही, उस पर से खाने की चीजों में मिलावट अलग। इस वजह से स्थिति और बुरी होती जा रही है। साथ ही इस बात को खास तौर पर समझने की जरूरत है कि बच्चों पर इसका असर कुछ ज्यादा होता है। बच्चों में रोगों से लड़ने की क्षमता ज्यादा नहीं होती। इसलिए वयस्कों के मुकाबले उनके बीमार होने की आशंका भी ज्यादा होती है।

रोग प्रतिरोधक क्षमता

बच्चों में रोग प्रतिरोधक क्षमता दो तरह से बढ़ती है। जानकार बताते हैं कि आम तौर पर जब हम बाहर के किसी संक्रमण के शिकार होते हैं, तब हमारा शरीर अपने आप उस संक्रमण से लड़ने की क्षमता विकसित करता है। इसे एंटीबाडी कहते हैं। शरीर में ऐसे एंटीबाडी यानी रोग प्रतिरोधक क्षमता विकसित करने की क्षमता कमोबेश सभी में मौजूद होती है। मगर कुछ मामलों में हमारा शरीर बाहरी हमले से लड़ने के लिए सक्षम नही होता। उन खतरों से बचने के लिए हम विशेष तरीका अपनाते हैं। इसमें हम शरीर को बाहर से ऐसे एंटीबॉडी उपलब्ध करवाते हैं, जिससे वह संक्रमण से लड़ने के लिए पहले से तैयार हो। विभिन्न तरह के टीके इसी तैयारी के तहत लगाए जाते हैं।

विभिन्न बीमारियों से बचाने के लिए अब हमारे पास कई तरह के टीके उपलब्ध हैं। इसलिए अब यह सलाह दी जाती है कि सभी बच्चों को तय उम्र पर इन टीकों की नियत खुराक जरूर दी जाए। कुछ टीकों की रोग प्रतिरोधक क्षमता कम अवधि के लिए होती है। ऐसे में उसका बूस्टर डोज भी देना होता है। हालाकि यह भी सच है कि अधिकांश टीके सीमित क्षमता वाले ही होते हैं। यानी शायद ही ऐसा कोई टीका हो, जिसके बारे में यह दावा किया जा सके कि यह संबंधित रोग से सौ फीसदी सुरक्षा उपलब्ध करवा देगा। लेकिन ये टीके(वैक्सीन्स) उस रोग की आशंका को काफी सीमित कर देते हैं। इसलिए विश्व स्वास्थ्य संगठन (डब्लूएचओ) से ले कर विभिन्न देशों की सरकारें तक इनकी सिफारिश करती हैं।

पौष्टिक आहार और स्वास्थ्य

इन दोनों उपायों के साथ ही यह भी जरूरी है कि बच्चों की खुराक में रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने वाली चीजों को भरपूर रूप से शामिल किया जाए। नवजात बच्चों के लिए मां का दूध रोग प्रतिरोधक क्षमता बढ़ाने में बहुत महत्वपूर्ण भूमिका निभाता है। बड़े बच्चों में यह काम फलों, सब्जियों और अन्य प्राकृतिक उत्पादों के जरिए हो सकता है। इसलिए यह बेहद जरूरी है कि बच्चों को ज्यादा से ज्यादा मात्रा में हरी सब्जियां और फल दें। मौसमी फल खास तौर पर बच्चों में इम्यूनिटी बढ़ाते हैं। मौसमी फलों की खास बात यह होती है कि ये एक तरफ तो बहुत स्वादिष्ट होते हैं वहीं इनकी कीमत भी अपेक्षाकृत कम होती है। इसलिए सबसे अच्छा तरीका यह है कि बाजार में जिस मौसम में जो फल सबसे सस्ते मिल रहे हों, उसी को खरीदें। बच्चों को दिन भर में पांच बार अलग-अलग रूप में फल और सब्जियां दी जा सकती हैं। हालांकि यह बहुत कुछ बच्चों की रुचि पर निर्भर करता है, लेकिन छोटे बच्चे के लिए इसकी हर खुराक औसतन दो बड़ी चम्मच के बराबर और बड़े बच्चों के लिए एक कप के बराबर हो सकती है।

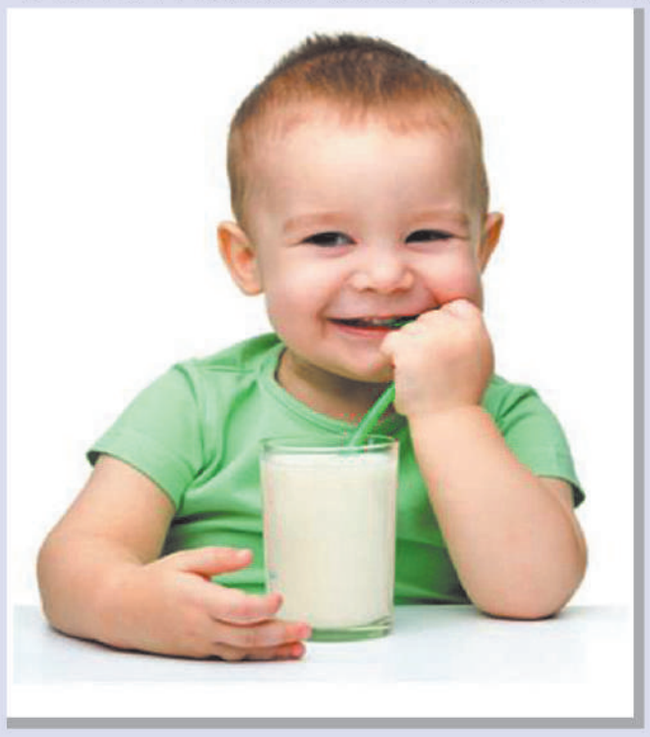

बच्चों को चारों ओर से होने वाले जीवाणुओं और विषाणुओं (वाइरस) के हमले से सुरक्षा देना बेहद जरूरी है। नवजात बच्चा एक हद तक विषाणुओं से भले लड़ ले, लेकिन जीवाणुओं से मुकाबला करने के लिए बिल्कुल तैयार नहीं होता। उस पर से अगर वह 37 हफ्तों के गर्भाधारण से पहले हुआ हो, तब तो उसमें यह क्षमता बहुत कम होती है। छोटे बच्चों को अपने अभिभावकों और परिवार वालों से भी बैक्टीरिया पहुंचने का खतरा होता है। परिवार वालों के हाथ, नाक और मुंह में मौजूद जीवाणु(बैक्टेरिया) उन तक आसानी से पहुंच सकते हैं। इसलिए छोटे बच्चों को छूने से पहले अच्छी तरह साबुन से हाथ धोना जरूरी है।

इन बातों पर दें ध्यान

अगर बच्चा समय से बहुत पहले हुआ है, तब तो और ज्यादा सावधानी बरतनी होती है। बड़े बच्चों को भी ऐसे संक्रमण के बारे में जागरूक करने की जरूरत है। उन्हें बताना होगा कि ये बैक्टीरिया उन तक कैसे पहुंचते हैं। शौचालय और कचरे आदि से ही नहीं, हमारे घरों के दरवाजों के हैंडल तक से ये बैक्टीरिया उन तक पहुंच सकते हैं।

इसलिए उनमें मुंह, नाक, आख, कान आदि में अंगुली करने की आदत नहीं पड़ने देनी चाहिए। इसी तरह हर बार खाना खाने से पहले साबुन से अच्छी तरह हाथ धोने की आदत डालनी चाहिए। अगर किसी बच्चे को छींक या खांसी आती है, तो इस दौरान उसे अपने मुंह को ढककर रखने की सलाह भी दी जानी चाहिए। साथ ही यह भी ध्यान रखिए कि ये उपाय बच्चों को बीमारियों से बचाते जरूर हैं, लेकिन उसे सौ फीसदी सुरक्षित नहीं करते।



रसीली गाजर के10मीठे गुण



लाल और मीठी गाजर को देखकर तुरंत हलवे की याद आ जाती है। निश्चित तौर पर गाजर के इस्तेमाल से बनने वाला हलवा है ही इतना लाजवाब। गाजर न सिर्फ स्वाद में अच्छी होती है बल्कि इसमें आपको तंदुरुस्त रखने के लिए बहुत सारे खास गुण होते हैं। यह आपको स्वस्थ रखने के साथ साथ आपकी आंखों की रोशनी को बढ़ाती है। गाजर का नियमित इस्तेमाल आपके बालों और त्वचा के लिए भी बहुत लाभकारी है। गाजर के ज्यूस को अपनी रोजाना की डाइट का हिस्सा बना लीजिए क्योंकि यह स्वादिष्ट होने के साथ बहुत गुणकारी है।

1. गाजर के ज्यूस को खास गुणों से भरपूर बनाने का काम इसमें मौजूद बीटा-केरोटिन, विटामिंस और पोटेशियम करते हैं। बीटा-केरोटिन से गाजर विटामिन ए का सबसे प्रभावकारी स्त्रोत बनती है। गाजर से शरीर के इम्यून सिस्टम को ताकत मिलती है। विटामिन ए से न केवल आपकी आंखों की रोशनी बढ़ती है बल्कि गाजर के ज्यूस का नियमित इस्तेमाल दिल की बीमारियों से भी आपको बचाए रखता है।
2. गाजर के ज्यूस में होने वाला पोटेशियम शरीर में कोलेस्ट्रोल के स्तर को कम करता है। गाजर में लीवर को ठीक रखने का भी गुण होता है। पोटेशियम, मैगनीज और मैगनेशियम के साथ मिलकर ब्लड शुगर के स्तर को सामान्य रखता है और इस तरह से शरीर में डायबीटिज के खतरे को कम करता है।
3. गाजर के ज्यूस में विटामिन च होता है जो कि चोट लगने पर रक्त के थक्के जमने में मदद करता है और खून का बहना रोकता है। विटामिन च चोट ठीक करने में कारगर है। गाजर में मौजूद विटामिन ष्ट घाव ठीक करने के साथ साथ मसूड़ों को भी स्वस्थ रखता है।
4. गाजर के ज्यूस में कैंसर से लड़ने का गुण होता है। इसमें केरोटेनोइड नाम का एक खास तत्व होता है जिसे प्रोस्टेट, कोलोन, और स्तन कैंसर से लड़ने में बहुत ही कारगर समझा जाता है।
5. गाजर का ज्यूस शरीर में प्रोटीन की कमी को भी पूरा करने के साथ साथ शरीर को पर्याप्त मात्रा में केल्सियम भी प्रदान करके हड्डियों को मजबूती देता है।
6. गाजर का ज्यूस लीवर को साफ करता है। शरीर में पैदा होने वाले विभिन्न तरह के जहर गाजर के ज्यूस के उपयोग से बाहर निकल जाते हैं। गाजर का ज्यूस लीवर को ताकत देकर उसकी काम करने की क्षमता बढ़ाता है। गाजर का ज्यूस वजन कम करने में भी मदद करता है।
7. गाजर का ज्यूस बच्चे के गर्भावस्था के लिए खास तौर पर लाभकारी है। इसके उपयोग से बच्चे और मां दोनों के स्वास्थ्य में सुधार आता है।
8. गाजर के ज्यूस से मां के दूध की गुणवत्ता बढ़ जाती है।
9. गाजर का ज्यूस गर्भ में पल रहे बच्चे को इन्फेक्शंस से बचाए रखता है।
10. गाजर का ज्यूस वजन करने की कोशिश कर रहे लोगों के लिए बहुत कारगर है क्योंकि इसमें कैलोरी की मात्रा बहुत कम होती है। कम कैलोरी के कारण यह बहुत अच्छा हेल्दी ड्रिंक है। गाजर का ज्यूस अपने खास गुणों के कारण लगभग सभी डाइट प्लान का हिस्सा बनता है।



सर्दियों में कैसे बचें जुकाम से



सर्दियों में जुकाम दुनियाभर के लोगों को प्रभावित करने वाली सबसे आम बीमारी है। 100 से भी ज्यादा वायरस ऐसे हैं, जो इसके लिए जिम्मेदार हो सकते हैं और यह बहुत आसानी से फैलता है। इसलिए जुकाम फैलाने वाले वायरसों के संक्रमण से बचना काफी मुश्किल हो जाता है। शरीर में पहुंचने के बाद ये वायरस संख्या में बढ़ना शुरू होते हैं, जिससे ये लक्षण दिखाई देना शुरू होते हैं।

- गले में खराश, छींके एवं नाक बहना।
- आंखों से पानी निकलना।
- बदन दर्द एवं खांसी।
- सांस लेने में परेशानी या हल्का बुखार आने

जैसे कई लक्षण सामने आते हैं।

आमतौर पर जुकाम 1-2 हफ्तों में ठीक हो जाता है। चिकित्सकों का मानना है कि इसके वायरस की उम्र 7 दिन की होती है। आमतौर पर यह किसी औषधि से नही मरता। औषधियां केवल लक्षणों को ठीक करने के लिए दी जाती हैं। यह कहावत बहुत आम है कि जुकाम दवाएं खाएं तब भी 7 दिन में ठीक होता है और नहीं खाएं तब भी एक हफ्ते में ठीक होता है।

क्या करें..

सर्दी होने पर अनावश्यक मेहनत से बचना चाहिए। रूटीन के काम कर सकते हैं, लेकिन इस दौरान धूल और धूएं से बचना चाहिए, नहीं तो हालत बिगड़ सकती है। भरपूर आराम के साथ ही पर्याप्त मात्रा में तरल पदार्थ लेना चाहिए, विशेषकर फलों का रस जरूर लें। जुकाम के कारण पाचन तंत्र भी निष्क्रिय पड़ जाता है, इसलिए हल्के, सुपाच्य खाद्य पदार्थ थोड़ी-थोड़ी मात्रा में लें। कफ सिरप आदि दवाओं से लक्षणों में राहत मिल सकती है, लेकिन ये जुकाम का बचाव या इलाज नहीं होता है, न ही इनसे बीमारी जल्दी ठीक होती है।

सर्दी-जुकाम से बचने के लिए फिलहाल कोई टीका उपलब्ध नहीं है, लेकिन बीमार न पड़ें, इसके लिए कुछ उपाय जरूर किए जा सकते हैं। अपने आहार की ओर ध्यान दें, प्रतिदिन ऐसा आहार लें, जिसमें सभी आवश्यक पोषक तत्व मौजूद हों, पर्याप्त नींद लें और व्यायाम भी करें। इससे रोग प्रतिरोधक क्षमता दुरुस्त रहेगी।

बच्चों और बुजुर्गों को हीटर के सामने नहीं बैठना चाहिए, क्योंकि इससे त्वचा रुखी होकर फट सकती है। त्वचा की दरारों के जरिए संक्रमण शरीर के अंदर प्रवेश कर सकते हैं।

देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से कम हो जाती है उम्र



दफ्तरों में देर तक कुर्सी पर बैठे रहने वाले लोगों के लिए चेतावनी की तरह सामने आए एक शोध में बताया गया है कि अधिक देर तक कुर्सी पर बैठे रहने से उम्र कम हो जाती है।

बीएमजे ओपन नामक ई मैगजीन में प्रकाशित इस शोध में कहा गया है कि अमेरिका जैसे देश में अधिक टीवी देखने अथवा बैठे रहने वाले व्यक्ति कम जीते हैं। यह निष्क्रियता उम्र घटाने का काम करती है।

आंकडों से पता चला कि कुर्सी पर जमे रहने से होने वाली विभिन्न बीमारियों से मरने का खतरा 27 फीसदी और टेलीविजन देखने से होने वाली बीमारियों से मौत होने का खतरा 19 फीसदी होता है।

रिपोर्ट में बताया गया है कि अगर दफ्तरों में कोई व्यक्ति महज तीन घंटे प्रतिदिन ही कुर्सी पर बैठता है, तो उसकी उम्र में दो वर्षों का इजाफा हो सकता है। इसके अलावा टेलीविजन देखने के समय में प्रतिदिन दो घंटों की कमी करने से भी उम्र में 1.5 वर्षों का इजाफा होता है। शोधकर्ताओं ने अपने शोध में विभिन्न सरकारी एजेंसियों द्वारा इकट्ठा किए गए आंकड़ों को शामिल किया था। उल्लेखनीय है कि इससे पहले आए शोधों से पता चलता है कि दफ्तरों के व्यस्त माहौल और कुर्सी पर बिताए जाने वाले समय का दुष्प्रभाव स्वास्थ्य पर पड़ता है और इसके फलस्वरूप विभिन्न बीमारियां हो सकती हैं, जिनमें रक्तचाप, हृदय रोग इत्यादि प्रमुख हैं। टेलीविजन इत्यादि देखने में अधिक समय बिताने से भी निष्क्रियता को बढ़ावा मिलता है, जिससे इन बीमारियों के बढ़ने की संभावना रहती है।

हिन्दी दैनिक प्रातःकाल एक्सप्रेसः- स्वामी, प्रकाशक, फिरदौस फातिमा द्वारा एफ-1, अनमोल होम, प्लाट नं0 53, गोविन्द गार्डेन, राइसेन रोड़, भोपाल मध्य प्रदेश-462023 से प्रकाशित एवं अशोक कुमार खुराना, द्वारा पी.जी. इंफ्रास्ट्रचर एण्ड सर्विस प्रा.लि. करोंद भानपुर बाइपास रोड़ भोपाल मध्य प्रदेश-462037 से मुद्रक। पंजीयन संख्या : **MPHIN/26/A1603,** संपादकः परवेज आलम,मो0 9336781957, पी.आर.बी. एक्ट के तहत समाचार चयन के लिए जिम्मेदार। इससे उत्पन्न समस्त विवाद का न्याय क्षेत्र जनपद न्यायालय भोपाल होगा।



'आई लव यू' बोलने के एक महीने बाद ही आई रिश्ते में दरार?

ईशा सिंह ने अविनाश को किया अनफॉलो, मां की पोस्ट ने मचाई हलचल!

टेलीविजन इंडस्ट्री की चर्चित जोड़ी ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा एक बार फिर सुर्खियों में आ गए हैं, लेकिन इस बार वजह उनका रोमांस नहीं बल्कि अनबन की खबरें हैं. कई मीडिया पोर्टल्स और सोशल मीडिया पर फैंस यह दावा कर रहे हैं कि ईशा और अविनाश के रिश्ते में सब कुछ ठीक नहीं चल रहा है और दोनों के बीच दरार आ गई है. हालांकि, इस बात की दोनों में से किसी ने भी कोई आधिकारिक पुष्टि नहीं की हैं. दरअसल, इस पूरी चर्चा की शुरुआत तब हुई जब फैंस ने नोटिस किया कि ईशा सिंह ने इंस्टाग्राम से अविनाश मिश्रा को अनफॉलो कर दिया है. दिलचस्प बात यह है कि अविनाश मिश्रा अब भी ईशा को फॉलो कर रहे हैं.

इतना ही नहीं, इसी बीच ईशा सिंह की मां ने भी अपने इंस्टाग्राम पर एक क्रिप्टिक पोस्ट शेयर किया है, जिसे फैंस मौजूदा हालात से जोड़कर देख रहे हैं. उन्होंने अपनी पोस्ट में लिखा, समय हर व्यक्ति को उसके कर्मों का दर्पण अवश्य दिखाता है. इसीलिये किसी के व्यवहार से कभी खुद को टूटने नहीं देना है, सही तरीका यही है कि शान्त रहो और अपने रास्ते पर चलते रहोज्क्योंकि, उत्तर शब्द नहीं, समय देता है. मीडिया रिपोर्ट्स में दावा किया जा रहा है कि ईशा के अनफॉलो करने और उनकी मां के इस पोस्ट के पीछे अविनाश से जुड़ा कोई विवाद हो सकता है.



एक महीने पहले ही 'खतरों के खिलाड़ी 15' की पार्टी में लुटाया था प्यार

ये खबरें इसलिए भी चौंकाने वाली हैं क्योंकि करीब एक महीने पहले ही दोनों का एक वीडियो इंटरनेट पर तेजी से वायरल हुआ था, जिसे देखकर फैंस मान बैठे थे कि उन्होंने अपने रिश्ते पर मुहर लगा दी है. 'खतरों के खिलाड़ी 15' की सक्सेस पार्टी के इस वीडियो में अविनाश कहते नजर आए थे, मैं बहुत शुक्रगुजार और खुशकिस्मत हूं कि मेरी जिंदगी में ईशा है. जब ईशा ने मुस्कुराते हुए पूछा, आगे तो बोल, तो अविनाश ने कहा था, आई लव यू, बेबी इस पर शर्माते हुए ईशा ने जवाब दिया था, ओके, आई लव यू टू.बता दें कि ईशा सिंह और अविनाश मिश्रा की मुलाकात 'बिग बॉस 18' के घर में हुई थी. शो से बाहर आने के बाद भी दोनों अक्सर साथ नजर आए, हालांकि उन्होंने हमेशा खुद को 'सिर्फ अच्छा दोस्त' ही बताया. 'खतरों के खिलाड़ी 15' जीतने के बाद भी अविनाश सीधे ईशा के पास गए थे, उन्हें गले लगाया था और गाल पर किस किया था. ईशा ने भी फिनाले की तस्वीरें और 'सेनोरिटा' गाने पर डांस का वीडियो शेयर करते हुए लिखा था, फ्ट्रॉफी आ गई घर! कुछ जीत बेहद निजी होती हैंज बिल्कुल इसी तरह.फ फिलहाल, रिश्ते में दरार या अनबन को लेकर मीडिया पोर्टल्स और फैंस द्वारा किए जा रहे इन दावों पर न तो ईशा सिंह की कोई प्रतिक्रिया आई है और न ही अविनाश मिश्रा ने कुछ कहा है. ऐसे में इस बात की पुष्टि नहीं की जा सकती कि दोनों के बीच वाकई कोई दूरी आई है या इसके पीछे कोई और वजह है.

खत्म हुई दोस्ती! लव गिल पर भड़कीं आम्रपाली दुबे, बोलीं- सब असलियत खोल दूंगी.....



सलमान खान का रियलिटी शो बिग बॉस 20 इस वक्त दर्शकों को खूब पसंद आ रहा है. शो में लव गिल और स्काउट ओपी का रिश्ता अब नेशनल मुद्दा बन गया है. जब से वीकेंड के वार में सलमान ने लव गिल को एक्सपोज किया है और स्काउट ओपी को अपनी गेम पर ध्यान देने की सलाह दी है. तब से दोनों ने एक दूसरे से दूरी बना ली है. लेकिन आम्रपाली और लव के बीच भी दरार पड़ गई है.आम्रपाली पहले भी लव को कॉल आउट करती नजर आई हैं. लेकिन इस बार लव ने सारी हदें पार कर दी है, जिसके बाद आम्रपाली का गुस्सा भी सातवें आसमान पर पहुंच गया है. शो का एक प्रोमो सामने आया है, जिसमें आम्रपाली लव गिल की हरकतों से परेशान होकर उस पर गुस्सा उतारती हुई नजर आ रही हैं.

लव पर भड़कीं आम्रपाली

दरअसल, जो प्रोमो सामने आया है उसमें लव गिल नॉमिनेशन टास्क के दौरान आम्रपाली की एक्टिंग करती हुई नजर आ रही हैं. ऐसा लग रहा है कि वो एक्ट्रेस को चिढ़ा रही हैं. इसे देख आम्रपाली कहती हैं कि 'नकली एक्टिंग करने की आदत नहीं जाएगी' . इसके बाद बेडरूम में जाते ही भोजपुरी एक्ट्रेस लव से कहती हैं कि, ये जो तू पीछे बैठकर मेरी एक्टिंग कर रही है न. तू 100 जन्म लगेंगे मेरी एक्टिंग करने में.इसके जवाब में लव कहती हैं कि, मुझे इसके लिए 1 भी जन्म नहीं चाहिए. इसके बाद फिर आम्रपाली कहती हैं कि, मेरे साथ लाइन क्रॉस करेगी तो 1 मिनट में औकात में लेकर आऊंगी. इसके जवाब में लव कहती हैं, वो दिख जाएगी किसकी औकात. फिर आम्रपाली चिल्लाते हुए कहती हैं कि ये जो फालतू एक्टिंग तू कर रही हैं ये तुझे चलती होगी मेरे सामने मत करना. एक्ट्रेस इस पर ही नहीं रुकती हैं. वो आगे कहती हैं- सब असलियत इसकी खोल दूंगीज्सब पता है मुझे इसके बारे में.

दूसरी बार पेरेंट्स बनने वाले हैं धीरज धूपर-विन्नी अरोड़ा? 10वीं वेडिंग एनिवर्सरी पर किया ऐसा पोस्ट



टेलीविजन इंडस्ट्री के मशहूर कपल धीरज धूपर और विन्नी अरोड़ा ने अपने फैंस के साथ एक गुड न्यूज शेयर की है. अपनी शादी के 10 साल पूरे होने के मौके पर इस स्टार कपल ने सोशल मीडिया पर एक ऐसा पोस्ट शेयर किया है, जिसे देखने के बाद फैंस दोनों को बधाई दे रहे हैं. दरअसल, इस पोस्ट के जरिए धीरज और विन्नी ने अपने परिवार के बढ़ने के बारे में बात करते हुए दूसरी प्रेग्नेंसी की तरफ इशारा किया है.धीरज धूपर और विन्नी अरोड़ा ने अपने इंस्टाग्राम हैंडल पर कई रोमांटिक तस्वीरों की एक सीरीज शेयर की है. इन तस्वीरों में दोनों की जबरदस्त केमिस्ट्री के साथ-साथ उनके बेटे जैन के साथ कुछ बेहद प्यारे फैमिली मोमेंट्स भी देखने को मिल रहे हैं. लेकिन जिस चीज ने हर किसी का ध्यान अपनी ओर खींचा वो थी इस पोस्ट की आखिरी स्लाइड. आखिरी तस्वीर पर एक बेहद खास मैसेज था. दोनों ने लिखा,हम अपने परिवार में थोड़ा और प्यार जोड़ने जा रहे हैं. इस एक लाइन ने इंटरनेट पर हलचल मचा दी है और फैंस कयास लगा रहे हैं कि धीरज और विन्नी अपने दूसरे बच्चे का स्वागत करने वाले हैं.

धीरज-विन्नी का प्यार भरा नोट

तस्वीरों को शेयर करते हुए धीरज और विन्नी ने एक-दूसरे के लिए एक बेहद प्यार भरा नोट भी लिखा. उन्होंने कैप्शन में लिखा, एक दशक का साथ और अभी पूरी जिंदगी बाकी है. दस साल बाद भी तुम मेरे सबसे पसंदीदा इंसान हो और मेरी सबसे पसंदीदा लव स्टोरी हो. हैप्पी एनिवर्सरी माय लव.

सीरियल के सेट पर हुई थी पहली मुलाकात

धीरज और विन्नी की लव स्टोरी किसी फिल्मी कहानी से कम नहीं है. दोनों की पहली मुलाकात साल 2009 में टीवी शो 'मात पिता के चरणों में स्वर्ग' के सेट पर हुई थी. साथ काम करते-करते दोनों के बीच गहरी दोस्ती हुई और जल्द ही ये दोस्ती प्यार में बदल गई. कई सालों तक एक-दूसरे को डेट करने के बाद दोनों ने 16 नवंबर 2016 को धूमधाम से शादी रचाई थी.

2022 में बने थे बेटे जैन के पेरेंट्स

शादी के करीब 6 साल बाद 10 अगस्त 2022 को धीरज और विन्नी पहली बार माता-पिता बने थे. विन्नी ने एक प्यारे से बेटे को जन्म दिया. कपल ने अपने लाडले का नाम जैन रखा. तब से लेकर आज तक दोनों अक्सर अपने बेटे के साथ खूबसूरत तस्वीरें और वीडियो शेयर करते रहते हैं.

फिलहाल धीरज और विन्नी ने आधिकारिक तौर पर दूसरी प्रेग्नेंसी की पुष्टि नहीं की है, लेकिन उनकी 10वीं सालगिरह के इस खास पोस्ट के कमेंट सेक्शन में सेलेब्स और फैंस की ओर से बधाइयों का तांता लग गया है. अब हर किसी को कपल की तरफ से ऑफिशियल अनाउंसमेंट का बेसब्री से इंतजार है.

20 साल पहले एकता कपूर के ऑफिस के गार्ड को थमाई थीं तस्वीरें, अब उसी बैनर के शो में लीड हीरो बने गौरव खन्ना!

टेलीविजन के मशहूर एक्टर गौरव खन्ना जल्द ही डेली फिक्शन की दुनिया में धमाकेदार वापसी करने जा रहे हैं. टीवी क्वीन एकता कपूर के नए रोमांटिक फैमिली ड्रामा 'दिल की बेवफाइयां' में गौरव मुख्य भूमिका निभाते नजर आएंगे. पहली बार उनकी ऑनस्क्रीन जोड़ी एक्ट्रेस श्रद्धा आर्या के साथ जमेगी. दिलचस्प बात या है कि जहां एक तरफ यह शो शादी के 20 साल बाद के रिश्तों की कहानी बयां करता है, वहीं असल जिंदगी में भी ये प्रोजेक्ट गौरव खन्ना की 20 साल पुरानी एक याद से जुड़ा हुआ है, जब वे काम की तलाश में एकता कपूर के ऑफिस के बाहर खड़े थे.एकता कपूर के साथ अपने पहले शो को लेकर एक्साइटेड नजर आने वाले गौरव खन्ना ने अपने शुरुआती संघर्ष के दिनों को याद करते हुए एक बेहद दिलचस्प किस्सा साझा किया. गौरव ने बताया, मुझे याद है, 20 साल पहले मैं एकता के ऑफिस गया था और अपनी तस्वीरें वहां के गार्ड को देकर आया था. उस वक्त मेरे करियर की शुरुआत ही थी और मुझे उम्मीद थी कि ऑडिशन का मौका मिलेगा.

गार्ड ने कहा, 'जरूरत होगी तो बुला लेंगे'

अब वक्त ने ऐसी करवट ली कि आज गौरव टीवी की दुनिया का एक बड़ा नाम बन चुके हैं. सालों बाद जब उन्होंने खुद एकता कपूर को ये वाकया सुनाया, तो एकता का जवाब दिल जीत लेने वाला था. गौरव के मुताबिक, सालों बाद जब मैंने एकता को यह किस्सा सुनाया, तब उन्होंने कहा, 'गौरव, तुम तो सुपरस्टार हो. जब चाहो आ सकते हो.' उनकी बात सुनकर बहुत अच्छा लगा. जब पहली बार उनके ऑफिस गया था, तभी से उनके साथ काम करने की इच्छा थी. अब इतने साल बाद उनके साथ मेरा पहला शो ही मुझे डेली फिक्शन में वापस ला रहा है. मेरे लिए यह बहुत खास है.



क्या है 'दिल की बेवफाइयां' की कहानी और गौरव के किरदार का राज ?

इस शो में गौरव खन्ना 'मानव' के किरदार में हैं, जबकि श्रद्धा आर्या 'जानकी' बनी हैं. कहानी शादी के दो दशक यानी 20 साल पूरे कर चुके एक ऐसे कपल की है, जिनकी सोच और जीवन को देखने का नजरिया बिल्कुल अलग है. जहां जानकी को आज भी साथ बिताए छोटे-छोटे पलों में सुकून मिलता है और उसके लिए 'जो है, वही काफी है', वहीं मानव के दिल में एक अनकहा 'काश' छिपा है, जिसे वह शब्दों में बयां नहीं कर पाया है. अपने इस किरदार के बारे में बात करते हुए गौरव ने कहा कि एक उम्र के बाद इंसान ये पूछना बंद कर देता है कि जिंदगी में आगे क्या है, बल्कि वह वो सोचने लगता है कि जिंदगी ने चुपचाप उससे क्या छीन लिया. मानव के किरदार की यही उलझनें आज के दौर में बेहद सच्ची लगती हैं.

मानव अब तक का मेरा सबसे मुश्किल किरदार है

गौरव खन्ना ने बताया कि वे सिर्फ आम रोमांटिक हीरो की छवि में नहीं बंधना चाहते, बल्कि ऐसे रोल तलाशते हैं जिनमें कई परतें हों. उन्होंने कहा, मेरी खुशकिस्मती है कि एकता मैम ने मुझे ऐसा रोल दिया. मानव अब तक का मेरा सबसे मुश्किल किरदार है. वो जितना सीधा-सादा दिखता है, उसके भीतर उतनी ही उलझनें हैं. उसकी कमजोरियां भी उसे बहुत असली बनाती हैं.

रजाउल्लाह और जमाल ने लिए 3-3 विकेट

श्रीलंका की पहली पारी 98 पर सिमटी

नई दिल्ली । पाकिस्तान और श्रीलंका के बीच रावलपिंडी अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में मंगलवार से सीरीज का दूसरा और आखिरी टेस्ट शुरू हुआ। पाकिस्तान ने टॉस जीतकर पहले गेंदबाजी का फैसला करते हुए श्रीलंका को पहली पारी में 98 रन पर समेटकर मैच में अपनी पकड़ मजबूत कर ली है। टॉस गंवाकर पहले बल्लेबाजी करने उतरी श्रीलंका की शुरुआत बहुत खराब रही। टीम ने 6 के स्कोर पर अपना पहला विकेट गंवाया और देखते ही देखते ही 36 के स्कोर पर 5 विकेट गंवा बैठी। इसके बाद कप्तान कुसाल मेंडिस और सोनल



दिनुशा ने पारी को संभालने की कोशिश की। दोनों ने छठे विकेट के लिए 49 रन की साझेदारी कर टीम का स्कोर 85 तक पहुंचाया। इस जोड़ी के टूटते ही श्रीलंकाई पारी 35.3 ओवरों में 98 रन पर सिमट गई। मेंडिस 32 रन बनाकर शीर्ष स्कोरर रहे, जबकि सोनल ने 21 रन बनाए। इन दोनों के अलावा कोई भी बल्लेबाज दो अंकों में नहीं पहुंच सका। पाकिस्तान के गेंदबाजों ने कप्तान बाबर आजम के पहले गेंदबाजी करने के फैसले को सही साबित किया। मोहम्मद अब्बास ने 14 ओवर में 14 रन देकर 3 विकेट लिए।

पीसीबी ने शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनाया

नई दिल्ली । पाकिस्तान क्रिकेट बोर्ड (पीसीबी) ने ऑस्ट्रेलिया के पूर्व क्रिकेटर शेन डिट्ज को पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम के हेड कोच के रूप में नियुक्त किया है। शेन डिट्ज वेस्टइंडीज के खिलाफ द्विपक्षीय सीरीज से कार्यभार संभालेंगे। पाकिस्तान महिला क्रिकेट टीम का हेड कोच नियुक्त किए जाने के बाद शेन डिट्ज ने कहा, 'पाकिस्तान महिला टीम का हेड कोच बनकर मैं बहुत सम्मानित महसूस कर रहा हूं। पाकिस्तान क्रिकेट का इतिहास बहुत शानदार रहा है और मुझे याद है कि जब मैं एक युवा खिलाड़ी था, तो 1992 में ऑस्ट्रेलिया में इंग्लैंड के खिलाफ वर्ल्ड कप फाइनल में उन्हें चीयर करता था, जो पाकिस्तान क्रिकेट के लिए एक बड़ी उपलब्धि थी।'

'सैंडपेपरगेट विवाद पर ऑस्ट्रेलियाई टीम पहले की तरह अब भी विभाजीत': अश्विन



नई दिल्ली । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व सलामी बल्लेबाज उस्मान ख्वाजा की लिखी किताब 'सब्र' की रिलीज के बाद से 2018 में केपटाउन टेस्ट के दौरान हुआ सैंडपेपरगेट कांड फिर से चर्चा में है। इस विषय पर ऑस्ट्रेलियाई पूर्व और मौजूदा खिलाड़ियों के बीच एकमत नहीं है। पूर्व भारतीय स्पिनर आर अश्विन ने इस मुद्दे पर अपनी राय रखी है। अश्विन ने 2018 में दक्षिण अफ्रीका के दौरे पर गई ऑस्ट्रेलियाई क्रिकेट टीम के सदस्यों के अलग-अलग बयानों पर भी अपनी राय दी। पूर्व भारतीय स्पिनर ने स्टार स्पोर्ट्स के 'सैंडपेपरगेट : द अनसेटल्ड डिबेट' पर कहा, 'इस किताब में उस्मान ख्वाजा ने अपनी कहानी स्पष्ट तरीके से बताई है। वह सामूहिक जवाबदेही मांग रहे हैं। वह कह रहे हैं कि केवल तीन लोग ही इसके बारे में जानते थे, और भी लोग थे।'

उन्होंने कहा, 'ऑस्ट्रेलियाई कप्तान पैट कमिंस की मैं एक क्रिकेटर के तौर पर सच में तारीफ करता हूं। उन्होंने उस्मान ख्वाजा के दावों को बेबुनियाद, बकवास और बिना सबूत वाला कहा है। वहीं, डेविड वॉर्नर का बयान ख्वाजा का समर्थन करता है। यह चिंता की बात है, चाहे हम इसे कैसे भी देखें।'

मेदवेदेव ने एटीपी फाइनल्स के पहले मैच में कोबोली को हराया

टयूरिन । डेनियल मेदवेदेव ने इनाल्पी एरिना में स्थानीय खिलाड़ी और डेब्यू कर रहे फ्लेवियो कोबोली को 7-6(4), 6-3 से हराकर अपने एटीपी फाइनल्स कैंपेन की शुरुआत की। मेदवेदेव अपने दूसरे एटीपी फाइनल्स टाइटल की तलाश में हैं। मेदवेदेव ने 2019 से 2024 तक लगातार छह बार एटीपी फाइनल्स में जगह बनाई, जिसमें 2020 का उनका यादगार टाइटल शामिल है। उस मौके पर, उन्होंने ट्रॉफी जीतने के रास्ते में वर्ल्ड नंबर 1 नोवाक जोकोविच, वर्ल्ड नंबर 2 राफेल नडाल और वर्ल्ड नंबर 3 डोमिनिक थिएम को हराया था। 2025 में क्वालिफिकेशन से चूकने के बाद मेदवेदेव ने 2026 सीजन में शानदार वापसी की, चार टूर-लेवल टाइटल जीते और 53 जीत दर्ज कीं। एटीपी टूर पर वर्ल्ड नंबर 1 अलेक्जेंडर ज्वेरेव (66) के बाद यह जीत



की दूसरी सबसे बड़ी संख्या है। चौथी वरीयता प्राप्त मेदवेदेव का अगला मुकाबला बुधवार को कार्लोस अल्काराज से होगा। इवान लेंडल ग्रुप में 0-1 से पिछड़ने के बाद, कोबोली अब बेरेटिनी, जानिक सिनर और लोरेंजो मुसेट्टी के साथ इस इवेंट में सिंगल्स में जीत दर्ज करने वाले चौथे इटैलियन पुरुष बनने की अपनी कोशिश जारी रखना चाहेंगे। उनका अगला मुकाबला फ्रांसेस टियाफो से होगा।

इससे पहले, दूसरी वरीयता प्राप्त कार्लोस अल्काराज ने फ्रांसेस टियाफो को 6-2, 6-2 से हराकर इवान लेंडल ग्रुप में 1-0 की बढ़त बना ली थी। अल्काराज साल के आखिर में होने वाले इस इवेंट में चौथी बार हिस्सा ले रहे हैं। उनका सबसे अच्छा नतीजा पिछले साल आया था, जब वह टाइटल मैच में जानिक सिनर से हार गए थे। स्पेन के 23 वर्षीय खिलाड़ी जबरदस्त फॉर्म में उत्तरी इटली पहुंचे हैं और उन्होंने पिछले महीने पेरिस और वियना में लगातार टाइटल जीते हैं। अल्काराज इस सप्ताह अपने 30वें टूर-लेवल टाइटल और सीजन के छठे टाइटल की तलाश में हैं। कलाई की चोट के कारण वह साल के चार महीने बाहर रहे। अगस्त में यूएस ओपन में वापसी के बाद से उन्होंने अपने 22 में से 20 मैच जीते हैं।

धोनी ने आईपीएल से लिया संन्यास

चेन्नई सुपर किंग्स में अब निभाएंगे नई भूमिका, किस तरह गंभीर की राह पर चले माही

चेन्नई। आईपीएल 2027 से पहले चेन्नई सुपर किंग्स के दिग्गज खिलाड़ी महेंद्र सिंह धोनी को लेकर बड़ी खबर सामने आई है। धोनी ने इंडियन प्रीमियर लीग से संन्यास ले लिया है और अब वह मैदान पर खिलाड़ी के बजाय नई भूमिका में नजर आएंगे। पांच बार की चैंपियन चेन्नई सुपर किंग्स ने उन्हें आईपीएल 2027 से टीम का मेंटर बनाने का फैसला किया है। हालांकि, उनका फ्रेंचाइजी से जुड़ाव पहले की तरह बना रहेगा।

धोनी के बिना CSK नहीं



चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने धोनी के साथ अपने करीब दो दशक पुराने रिश्ते को याद किया। उन्होंने साफ कहा कि धोनी के बिना चेन्नई सुपर किंग्स की कल्पना नहीं की जा सकती। श्रीनिवासन ने कहा, 'एमएस धोनी के बिना सीएसके नहीं है। करीब दो दशकों से हम एक-दूसरे के साथ आगे बढ़े हैं। इस दौरान हमने सफलता, मुश्किलें और हर तरह के उतार-चढ़ाव साथ देखे हैं।' उन्होंने धोनी के साथ अपने रिश्ते की मजबूती का राज भी बताया। श्रीनिवासन के मुताबिक, दोनों के बीच भरोसा हमेशा सबसे अहम रहा है। उन्होंने कहा, 'हमारा रिश्ता इतना मजबूत होने की एक ही वजह है- हम एक-दूसरे की नीयत पर सवाल नहीं उठाते। इसी भरोसे ने इस सफर को मुमकिन बनाया है।' श्रीनिवासन ने 2008 में हुए पहले आईपीएल ऑक्शन का भी जिक्र किया। उन्होंने बताया कि उस समय उन्होंने धोनी को चेन्नई की टीम में शामिल करने पर जोर दिया था। उन्होंने कहा, '2008 में मैंने जोर दिया था कि धोनी सीएसके का हिस्सा होने चाहिए। यह मेरा लिया हुआ सबसे अच्छा फैसला साबित हुआ। सिर्फ फ्रेंचाइजी के लिए उनकी उपलब्धियों की वजह से नहीं, बल्कि इसलिए भी कि वह एक बेहतरीन इंसान हैं।'

अब खिलाड़ी नहीं, मेंटर की भूमिका में दिखेंगे धोनी

धोनी ने आईपीएल में चेन्नई सुपर किंग्स को पांच बार चैंपियन बनाया है। उनकी कप्तानी में टीम ने कई यादगार सफलताएं हासिल कीं। अब आईपीएल में उनका सफर बतौर खिलाड़ी खत्म हो गया है। वह टीम के डगआउट में मेंटर की भूमिका निभाएंगे और अपने अनुभव से खिलाड़ियों का मार्गदर्शन करेंगे। धोनी का चेन्नई के साथ रिश्ता बेहद खास रहा है। वह फ्रेंचाइजी की पहचान बन चुके हैं और उनके फैसलों तथा नेतृत्व क्षमता ने टीम को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाया है। हालांकि, बतौर मेंटर वह गौतम गंभीर की राह पर चल पड़े हैं। गंभीर ने भी आईपीएल से संन्यास लेने के बाद कोलकाता नाइट राइडर्स के मेंटर की भूमिका निभाई थी। उनकी देखरेख में केकेआर अपने पहले ही सीजन में चैंपियन बनी थी। अब धोनी भी सीएसके की खोई हुई साख वापस लाने की कोशिश करेंगे।



ष्टस्च्य मालिक एन श्रीनिवासन ने कही बड़ी बात

चेन्नई सुपर किंग्स के मालिक एन श्रीनिवासन ने भी धोनी के महत्व पर बात की है। उन्होंने साफ किया कि पूर्व भारतीय कप्तान हमेशा फ्रेंचाइजी की पहचान का अहम हिस्सा रहेंगे। खिलाड़ी के तौर पर उनकी भूमिका भले ही बदल रही है, लेकिन चेन्नई सुपर किंग्स के साथ उनका जुड़ाव पहले की तरह मजबूत बना रहेगा। धोनी के मेंटर बनने से टीम को उनके लंबे अनुभव का लाभ मिलेगा। खासकर युवा खिलाड़ियों को उनके मार्गदर्शन में खेलने और सीखने का मौका मिलेगा।

न्यूजीलैंड को लगा तगड़ा झटका

मिशेल सेंटनर भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज से बाहर हुए



नई दिल्ली । भारत के खिलाफ 19 नवंबर से शुरू हो रही 2 टेस्ट मैचों की सीरीज से पहले न्यूजीलैंड को तगड़ा झटका लगा है। अनुभवी ऑलराउंडर मिशेल सेंटनर दाहिने हाथ में फ्रैक्चर की वजह से टेस्ट सीरीज से बाहर हो गए हैं। सेंटनर को यह चोट रविवार रात माउंट माउंगानुई में भारत के खिलाफ पांचवें वनडे में अर्शदीप सिंह के फेंके बाउंसर से लगी। न्यूजीलैंड क्रिकेट की एक रिलीज के मुताबिक, 'स्कैन से पता चला है कि सेंटनर के दाहिने हाथ में फ्रैक्चर है। ऑस्ट्रेलिया के खिलाफ टेस्ट सीरीज में उनके शामिल होने की जानकारी सही समय पर दी जाएगी।' टेस्ट सीरीज के लिए मिशेल सेंटनर की जगह न्यूजीलैंड टीम में स्पिन-बॉलिंग ऑलराउंडर डीन फॉक्सक्रॉफ्ट को शामिल किया गया है। 28 साल के फॉक्सक्रॉफ्ट ने मई में बेलफास्ट में आयरलैंड के खिलाफ एक टेस्ट खेला था। उन्होंने उस मैच में 98 रन बनाए थे। सेंटनर बिग बैश लीग में एडिलेड स्ट्राइकर्स के एक आकर्षक ऑफर को ठुकरा दिया था ताकि वे सभी फॉर्मेट में



की गैरमौजूदगी में एक स्पिन गेंदबाजी ऑलराउंडर के रूप में ग्लेन फिलिप्स की भूमिका अहम होगी।

चोट सेंटनर की टेस्ट उम्मीदों के लिए एक झटका है, क्योंकि उन्होंने अपने न्यूजीलैंड करियर पर ध्यान दे सकें। सेंटनर ने उस समय न्यूजीलैंड हेराल्ड से कहा था, 'जब आप आगे की गर्मियों को देखते हैं, भारत यहां सफेद गेंद और टेस्ट के लिए है और

भारत के खिलाफ टेस्ट सीरीज के लिए न्यूजीलैंड की अपडेटेड टीम

टॉम लैथम (कप्तान), टॉम ब्लंडेल (विकेटकीपर), डेवोन कॉनवे, हेनरी निकोलस, विल यंग, ??डीन फॉक्सक्रॉफ्ट, डेरिल मिशेल, ग्लेन फिलिप्स, रचिन रवींद्र, नाथन स्मिथ, जैकब डफी, मैट हेनरी, काइल जैमीसन, ब्लेयर टिकनर।

वेलिंगटन टेस्ट में भारत की प्लेइंग इलेवन पर कप्तान गिल का संकेत

'चार तेज गेंदबाज और एक स्पिनर'

वेलिंगटन । भारत और न्यूजीलैंड के बीच गुरुवार से 2 टेस्ट मैचों की सीरीज वेलिंगटन में शुरू हो रही है। भारतीय कप्तान शुभमन गिल ने संकेत दिया है कि टीम इंडिया 4 तेज गेंदबाजों के साथ उतर सकती है। वेलिंगटन टेस्ट से पहले शुभमन गिल ने प्रेस कॉन्फ्रेंस करते हुए चार तेज गेंदबाजों के साथ उतरने के संकेत दिए। हालांकि, उन्होंने ये स्पष्ट नहीं किया कि चार पूर्ण तेज गेंदबाज होंगे या तीन तेज गेंदबाजों के साथ एक तेज गेंदबाजी ऑलराउंडर को प्लेइंग इलेवन में जगह दी जाएगी। गिल ने कहा, 'हमने यहां जो टेस्ट मैच देखे हैं, उनमें पहले दो दिन अलग मैच होते हैं और अगले तीन दिन थोड़े अलग मैच होते हैं। इसे ध्यान में रखते हुए, हम एक ऐसा पेस अटैक चाहते हैं जो स्विंग और सीम मूवमेंट के साथ ही पिच के फ्लैट होने की स्थिति में भी प्रभावी हो।' उन्होंने कहा, 'हम निश्चित रूप से चार तेज गेंदबाजी विकल्प चाहते हैं, लेकिन हम अभी भी तय कर रहे हैं कि वे तेज गेंदबाज कौन से हैं। हमने कई बार तीसरे, चौथे और पांचवें दिन देखा है कि विकेट, खासकर पुरानी गेंद से, थोड़ा फ्लैट हो जाता है, इसलिए हमारी फास्ट-बॉलिंग यूनिट से, हम ऐसा चाहते हैं जिसके पास पेस हो, कोई ऐसा जो लगातार सही एरिया में हिट कर सके, और फिर जाहिर है कि एक छोर से कंट्रोल करने के लिए एक स्पिनर के साथ जाना चाहिए, क्योंकि अगर हवा तेज हो तो हवा के खिलाफ गेंदबाजी करना आसान नहीं होगा। तेज गेंदबाज की भूमिका लगभग आधी हो जाती है, अगर वो हवा के खिलाफ गेंदबाजी कर रहा हो, इसलिए बहुत सारे फैक्टर हैं जिन पर हम ध्यान देंगे।'

भारत की प्लेइंग इलेवन में



रवींद्र जडेजा अकेले स्पिनर हो सकते हैं, जो नंबर 7 पर बल्लेबाजी करेंगे। टीम में बल्लेबाजी ऑर्डर पर गिल ने कहा, 'हम सात बल्लेबाज देख रहे हैं और फिर आठ और नौ इस पर निर्भर करेंगे। आकाश और अंशुल थोड़ी बल्लेबाजी कर सकते हैं। अगर हम रेड्डी के साथ भी जाते हैं, तो वह एक पूर्ण बल्लेबाज है, इसलिए हम देखेंगे कि हम किस तरह के कॉम्बिनेशन के साथ जाना चाहते हैं और हम असल में क्या करना चाहते हैं।

बीबीएल 16

लाबुशेन ब्रिस्बेन हीट के साथ लगातार 11वां सीजन खेलेंगे

ब्रिस्बेन । बिग बैश लीग के 16वें सीजन के लिए ब्रिस्बेन हीट ने मार्नस लाबुशेन को रिटेन किया है। लाबुशेन लगातार 11वां सीजन ब्रिस्बेन हीट के लिए खेलेंगे। री-साइन किए गए खिलाड़ियों में लाबुशेन को क्रिस लिन के साथ रखा गया है। क्वींसलैंड क्रिकेट के जनरल मैनेजर—हाई परफॉर्मेंस बेनेट किंग ने कहा कि लाबुशेन का अनुभव और कॉम्पिटिटिव अप्रोच हीट के लिए टूर्नामेंट की तैयारी में बहुत काम आएगा। किंग ने कहा, 'मार्नस जब भी हीट के लिए खेलते हैं तो अपना शत-प्रतिशत देते हैं। ऐसा बहुत कम है, जो उन्होंने अपने करियर में अब तक क्रिकेट के मैदान पर अनुभव न किया हो। उनकी विविध स्किल्स हमें



विरोधी लाइन-अप के खिलाफ मैच-अप और हमारे ओवरऑल स्क्वॉड में संतुलन देंगी।'

हीट ने युवा तेज गेंदबाज टॉम बाल्किन और ओली पैटरसन को शामिल करके अपनी 18-सदस्यीय टीम में बची हुई जगहें भी भर ली हैं। दोनों खिलाड़ियों ने पिछले सीजन में अच्छा प्रदर्शन किया था। 22 साल के बाल्किन ने पिछले सीजन के पांच मैचों में छह विकेट लिए थे। पैटरसन, जो 20 साल के बाएं हाथ के तेज गेंदबाज हैं, ने पिछले सीजन में तीन मैचों में चार विकेट लिए थे। पैटरसन ने घरेलू सर्किट में भी शानदार प्रदर्शन किया है और लगातार दूसरे सीजन में टी20 मैक्स टूर्नामेंट में सबसे ज्यादा विकेट लेने वाले गेंदबाज हैं। दोनों युवा खिलाड़ियों ने क्वींसलैंड के लिए डोमेस्टिक वनडे कप में अपना लिस्ट ए डेब्यू किया है, जबकि बाल्किन ने शेफील्ड शील्ड मैच में भी हिस्सा लिया है। किंग ने कहा, 'मार्नस जैसे बहुत अनुभवी खिलाड़ी और टॉम और ओली जैसे दो युवा तेज गेंदबाज, जिन्होंने बीबीएल में पहले ही दिखा दिया है कि वे क्या कर सकते हैं, के साथ अपनी स्क्वॉड को पूरा कर पाना हमें अगले महीने होने वाले कॉम्पिटिशन में एक मजबूत स्थिति में रखता है।'

IPL 2027 में नहीं खेल पाएंगे ट्रेविस हेड, एसआरएच को फैसले की जानकारी दी

नई दिल्ली । इंडियन प्रीमियर लीग 2027 (आईपीएल 2027) से पहले सनराइजर्स हैदराबाद (एसआरएच) को एक बड़ा झटका लगा है। टीम के लिए खेलने वाले ऑस्ट्रेलिया के विस्फोटक बल्लेबाज ट्रेविस हेड ने वर्कलोड मैनेजमेंट के तहत आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेलने का फैसला किया है। हेड ने अपने फैसले की जानकारी एसआरएच मैनेजमेंट को दी है। क्रिकइन्फो की रिपोर्ट के मुताबिक, हेड ने एसआरएच को आईपीएल के अगले सीजन में नहीं खेलने के अपने फैसले के बारे में



बताया है। अगले कुछ महीनों में ऑस्ट्रेलिया का इंटरनेशनल शेड्यूल बहुत व्यस्त रहेगा। ट्रेविस हेड इसी वजह से आईपीएल का अगला सीजन नहीं खेल पाएंगे। अगस्त की शुरुआत में ऑस्ट्रेलिया के हेड कोच एंड्रयू मैकडोनाल्ड ने क्रिकइन्फो को बताया था कि ऑस्ट्रेलिया को कुछ फैसले लेने होंगे, क्योंकि उनके लिए बहुत सारी जरूरी प्राथमिकताएं सामने हैं। ऑस्ट्रेलियाई टीम वर्ल्ड टेस्ट चैंपियनशिप फाइनल में खेलने का मौका चाहेगी, जो आईपीएल खत्म होने के ठीक बाद है।

श्रीनगर में कांग्रेस का विरोध मार्च रोका गया, भाजपा विधायक पर एफआईआर की मांग

श्रीनगर , एजेंसी। मंगलवार को जम्मू-कश्मीर प्रदेश कांग्रेस कमेटी (जेकेपीसीसी) के विरोध प्रदर्शन को पुलिस ने रोक दिया। यह प्रदर्शन भाजपा पर क्षेत्र में सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की कोशिशों के खिलाफ था, और इसमें किश्तवाड़ से भाजपा विधायक शगुन परिहार के खिलाफ प्राथमिकी (एफआईआर) दर्ज करने की मांग की गई। बीजेपी विधायक परिहार ने दावा किया था कि किश्तवाड़ में दो विशेष पुलिस अधिकारियों (एसपीओ) की हत्या से पहले एक मस्जिद से कुछ घोषणाएं की गई थीं, जिस पर कांग्रेस ने कड़ी आपत्ति जाहिर की है। पार्टी मुख्यालय एमए रोड पर कांग्रेस के दर्जनों कार्यकर्ता एकत्र हुए। उन्होंने भाजपा के खिलाफ और लोकसभा में विपक्ष के नेता राहुल गांधी तथा जेकेपीसीसी अध्यक्ष तारिक कर्रा के समर्थन में नारे लगाए। प्रदर्शनकारियों ने मुख्य सड़क पर मार्च निकालने का प्रयास किया, लेकिन पुलिस ने उन्हें आगे बढ़ने से रोक दिया। मीडिया से बात करते हुए, कांग्रेस की श्रीनगर जिला इकाई के अध्यक्ष आदिल मीर ने कहा कि उनकी पार्टी 'सांप्रदायिक सौहार्द बिगाड़ने की भाजपा की कोशिशों' के खिलाफ आवाज उठाना चाहती थी, लेकिन पुलिस ने उन्हें मुख्यालय से बाहर नहीं निकलने दिया। मीर ने मांग की कि परिहार के खिलाफ तत्काल प्राथमिकी दर्ज की जाए और वह सार्वजनिक रूप से माफी मांगें। मीर ने बताया कि कांग्रेस कार्यकर्ता अपने प्रदेश अध्यक्ष तारिक कर्रा के प्रति एकजुटता व्यक्त करना चाहते थे, जिनकी उन टिप्पणियों के लिए भाजपा ने आलोचना की थी, जिनमें कर्रा ने एसपीओ को सुरक्षा बलों द्वारा गलती से आतंकवादी समझकर गोली मारने की आशंका जताई थी। मीर ने आरोप लगाया कि भाजपा अपनी विफलताओं, खासकर सुरक्षा और कानून-व्यवस्था के मोर्चे पर, से ध्यान भटकाने के लिए जम्मू-कश्मीर में सांप्रदायिक तनाव भड़काने की कोशिश कर रही है।

हरिद्वार में मासूम से दुष्कर्म का आरोपी गिरफ्तार

हरिद्वार, एजेंसी। उत्तराखंड के हरिद्वार में 11 महीने की बच्ची से कथित दुष्कर्म के आरोप में सौरभ नामक व्यक्ति को पुलिस ने गिरफ्तार किया है। पुलिस ने आरोपी को बाल्मीकि चौक के पास से पकड़ा। पुलिस ने बताया कि आरोपी के खिलाफ पॉक्सो अधिनियम के तहत कानूनी कार्रवाई की जा रही है और उसकी मेडिकल जांच भी कराई जा रही है। सौरभ बिहार के भागलपुर निवासी है और सिडकुल क्षेत्र की निजी फैक्ट्री में काम करता है। यह हृदयविदारक घटना 15 नवंबर की रात सिडकुल क्षेत्र में घटी थी। घटना के बाद गंभीर हालत में बच्ची को हरिद्वार जिला अस्पताल ले जाया गया, जहां से बच्ची को ऋषिकेश स्थित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रेफर कर दिया गया। चिकित्सकों के अनुसार, बच्ची की हालत फिलहाल स्थिर बनी हुई है। पुलिस ने बताया कि उत्तर प्रदेश के देवरिया जिले का रहने वाला बच्ची का परिवार भी हरिद्वार के औद्योगिक क्षेत्र की एक फैक्ट्री में काम करता है। सौरभ कुछ दिन पहले ही इसी फैक्ट्री में काम करने आया था और उसने उनके कमरे के पास ही कमरा किराए पर लिया हुआ था। रविवार रात जब बच्ची की मां रसोई में खाना बना रही थी और बच्ची रो रही थी, तभी सौरभ बच्ची को चुप कराने के बहाने अपने कमरे में ले गया और कथित तौर पर दुष्कर्म किया। बच्ची के जोर-जोर से रोने की आवाज सुनकर उसकी मां दौड़कर आरोपी के कमरे में पहुंची, जहां मां ने बच्ची को बुरी हालत में पाया। बच्ची की मेडिकल जांच में उसके साथ दुष्कर्म के प्रयास की पुष्टि हुई है। पुलिस मामले की गहनता से जांच कर रही है।

दिल्ली में मकान की छत गिरने से 2 की मौत, कई लोगों के दबने होने की आशंका

नई दिल्ली, एजेंसी। दिल्ली के शाहदरा इलाके के ज्वाला नगर में मकान की छत गिरने से अब तक दो लोगों की मौत की खबर सामने आई है, जबकि 7 से 8 लोगों के मलबे में दबे होने की आशंका जताई जा रही है। घटना की सूचना मिलते ही पुलिस और राहत-बचाव दल मौके पर पहुंच गए। मलबे में फंसे लोगों को बाहर निकालने रेस्क्यू जारी है। हादसे के कारणों का फिलहाल पता नहीं चल पाया है। हादसे में मृतकों व घायलों की संख्या बढ़ने की आशंका है।

डीएमके ने किया सरकार बनाने का दावा: तमिलनाडु में विजय सरकार पर संकट

चेन्नई , एजेंसी। तमिलनाडु में प्रमुख विपक्षी दल द्रविड़ मुन्नेत्र कझगम (डीएमके) ने राज्य में जल्द अपनी सरकार बनने का दावा किया है। पूर्व मुख्यमंत्री एमके स्टालिन ने कहा है कि उनके समर्थक उन्हें अभी भी मुख्यमंत्री कहकर बुलाते हैं। यह बयान ऐसे समय में आया है जब मुख्यमंत्री सी जोसेफ विजय राजधानी दिल्ली में थे और उनकी पार्टी, तमिलागा वेत्री कझगम (टीवीके), कथित तौर पर सरकार गिराने की कोशिशों के प्रति अपने विधायकों को आगाह कर रही है।

स्टालिन ने सोमवार को एक डीएमके नेता के परिवार में शादी समारोह में कहा कि टीवीके का मौजूदा शासन खराब प्रशासन प्रदान कर रहा है। उन्होंने समर्थकों से उन्हें मुख्यमंत्री कहना बंद करने का अनुरोध किया, क्योंकि यह उनके लिए शर्म और दुख की बात है, लेकिन साथ ही उन्होंने जोर देकर कहा कि द्रमुक जल्द ही सरकार बनाएगी। यह पहली बार नहीं है जब स्टालिन ने ऐसा दावा किया है। मीडिया रिपोर्ट्स में यह भी कहा जा रहा है कि राज्य के विपक्षी दल एक नए फ्लोर टेस्ट की मांग कर सकते हैं। खबरों के अनुसार, मुख्यमंत्री विजय ने हाल ही में अपने विधायकों की एक बैठक बुलाई थी जो करीब तीन घंटे तक चली। इस बैठक में उन्होंने विधायकों से व्यक्तिगत रूप से बात की, जिसमें 10 विधायकों के एक समूह से अलग से चर्चा की गई। रिपोर्टों के मुताबिक, विधायकों को चेताया गया था कि सरकार को गिराने की कोशिश हो सकती है और उन्हें सतर्क रहने की सलाह दी गई थी। एक विधायक ने बताया कि अविश्वास प्रस्ताव को 6 महीने (13 मई से 13 नवंबर) पूरे हो चुके हैं और 13 नवंबर के बाद कभी भी एक और अविश्वास प्रस्ताव लाया जा सकता है। विधायकों को यह भी बताया गया कि सरकार के पास ऐसी जानकारी है कि विपक्ष सत्तारूढ़ दल के नेताओं को अपने पाले में लाने की कोशिश कर सकता है। आरोप लगाए गए थे कि डीएमके और अन्य विपक्षी दल दिल्ली में राजनीतिक ताकतों की मदद से इसे अंजाम दे सकते हैं। विधायकों को ऐसे किसी भी राजनीतिक फैसले से बचने की सलाह दी गई,



जिससे उनके राजनीतिक करियर पर खतरा हो। गौरतलब है कि 4 मई को तमिलनाडु विधानसभा चुनाव के नतीजे घोषित होने के कुछ दिनों बाद ही विजय सरकार को फ्लोर टेस्ट का सामना करना पड़ा था। स्टालिन ने अक्टूबर में ही यह भविष्यवाणी कर दी थी कि मौजूदा सरकार शायद 6 महीने भी पूरे न कर सके।

केजरीवाल का शीशमहल अब आम जनता के लिए खुलेगा

● भ्रष्टाचार का उदाहरण दिखाने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी। राजधानी दिल्ली की रेखा गुप्ता सरकार ने महत्वपूर्ण घोषणा कर कहा है कि पूर्व मुख्यमंत्री अरविंद केजरीवाल का पुराना सरकारी आवास, जो कि शीशमहल के नाम से जाना जाता है, अब आम जनता के लिए खोला जाएगा। दिल्ली के लोक निर्माण विभाग (पीडब्ल्यूडी) के मंत्री प्रवेश साहिब सिंह ने इसकी जानकारी दी। उन्होंने बताया कि इस आवास को देखने के लिए समय आरक्षित करने और टिकट बुक करने की व्यवस्था अगले सप्ताह तक शुरू कर दी जाएगी। रेखा के मंत्री प्रवेश सिंह ने कहा कि यह कदम जनता की मांग पर उठाया गया है और इसका उद्देश्य भ्रष्टाचार का सबसे बड़ा उदाहरण पेश करना है। उन्होंने आरोप लगाया कि एक व्यक्ति जो कि कभी सरकारी वाहन का उपयोग न करने का वादा किया था, उसने कई अन्य घरों को ध्वस्त कर अपने लिए यह आलीशान आवास बनवाया। शुरुआत में मीडिया को आवास का दौरा कराया जाएगा, जिसके बाद आम लोग टिकट खरीदकर इसके आंतरिक हिस्सों को देख सकते है। फ्लैगस्टाफ रोड स्थित बंगला नंबर छह में केजरीवाल 2015 से 2024 तक मुख्यमंत्री के रूप में अपने कार्यकाल के दौरान रहे थे। इस बंगले को शीशमहल नाम भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) ने एक राजनीतिक अभियान के दौरान दिया था, ताकि आम आदमी पार्टी और उसके राष्ट्रीय संयोजक पर लगे भ्रष्टाचार के आरोपों को उजागर कर सके। पिछले साल भारत के नियंत्रक एवं महालेखापरीक्षक (कैग) की रिपोर्ट में खुलासा हुआ था कि केजरीवाल के तत्कालीन सरकारी आवास के नवीनीकरण पर 33.66 करोड़ रुपये खर्च हुए थे, जो अनुमानित लागत से 342 प्रतिशत अधिक थे।

बिलकिस बानो का दर्द: दोषियों की जमानत पर फिर छलका अविश्वास

नई दिल्ली, एजेंसी। सुप्रीम कोर्ट ने 2002 के गुजरात दंगों के दौरान सामूहिक बलात्कार और परिवार के सात सदस्यों की हत्या के दोषी दो लोगों की उम्रकैद की सजा पर रोक लगाकर उन्हें ज़मानत दे दी है। इस फैसले पर बिलकिस बानो ने गहरा सदमा और अविश्वास जताया है, उनका कहना है कि यह आदेश उन्हें सुने बिना ही पारित किया गया। अपने बयान में, बिलकिस ने कहा कि दर्द, सदमे और अविश्वास के कारण उनकी आँखों से आँसू बह रहे हैं और कुछ बोल पाना भी मुश्किल हो रहा है।



उन्होंने कहा, मुझे अभी भी यकीन नहीं हो रहा कि एक बार फिर, दूसरी बार, सुप्रीम कोर्ट ने मुझे बुलाए या मेरी बात सुने बिना ही आदेश पारित कर दिया। उन्हें इसकी जानकारी प्रेस रिपोर्टों से मिली। बिलकिस ने अपनी आपबीती याद कर कहा कि 19 साल की उम्र में उनकी नन्ही बेटी, परिवार, घर और इंसानियत पर उनका भरोसा सब कुछ बेरहमी से छीन लिया गया था। उस दिन के बाद से, पिछले 24 सालों से वह अपने लिए और हर जगह की महिलाओं के लिए न्याय की लड़ाई लड़ रही हैं, जिसमें उन्हें लाखों लोगों का समर्थन और एकजुटता मिली है। जस्टिस एम.एम. सुंदरेश और जस्टिस पी.बी. वराले की सुप्रीम कोर्ट की पीठ ने बिपिन चंद्र जोशी और प्रदीप मोर्डिया को ज़मानत दी। कोर्ट ने इस बात पर गौर किया कि वे 17 साल से अधिक समय से जेल में बंद थे। यह मामला 2002 के गुजरात दंगों की सबसे भयानक घटनाओं में से एक से जुड़ा है, जब गर्भवती बिलकिस बानो के साथ दोषियों ने सामूहिक बलात्कार किया था। उनकी 3 साल की बेटी का सिर एक चट्टान पर पटक कर हत्या कर दी गई थी। उनकी माँ और चचेरी बहन (जिसने हाल ही में बच्चे को जन्म दिया था) के साथ भी सामूहिक बलात्कार कर उनकी हत्या की गई। 8 नाबालिगों सहित परिवार के सात सदस्य क्रूर हिंसा का शिकार बने और मारे गए। सुप्रीम कोर्ट के निर्देश पर इस मामले का मुकदमा गुजरात से महाराष्ट्र स्थानांतरित किया गया था, जहाँ मुंबई की ट्रायल कोर्ट ने 11 आरोपियों को दोषी ठहराते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई थी।

भारत को चाहिए 2000 विमान: 1000 और खरीदने की तैयारी

नई दिल्ली, एजेंसी । भारत में हवाई यात्रा की बढ़ती मांग को पूरा करने के लिए देश 1,000 और विमान खरीदने की तैयारी कर रहा है। केंद्रीय वाणिज्य एवं उद्योग मंत्री पीयूष गोयल ने मिस्र की राजधानी काहिरा में यह जानकारी देते हुए बताया कि भारत को अपनी जरूरतों के लिए 2,000 से अधिक विमानों की आवश्यकता है, जबकि 1,200 से अधिक का ऑर्डर पहले ही दिया जा चुका है। सरकार विमान निर्माताओं से जल्द आपूर्ति के लिए बातचीत कर रही है। देश में हवाई यात्रियों की संख्या में लगातार वृद्धि इसकी प्रमुख वजह है। अब छोटे शहरों में भी हवाई यात्रा आम लोगों की पहुंच में आ रही है, साथ ही अर्थव्यवस्था के विस्तार, कारोबार और पर्यटन ने भी मांग बढ़ाई है। अनुमान है कि भारत में हवाई यात्रियों की संख्या औसतन 8.9 प्रतिशत सालाना की दर से बढ़ सकती है।

हालांकि, भारतीय विमानन कंपनियों द्वारा



पहले ही 1,200 से अधिक विमानों के बड़े ऑर्डर दिए जा चुके हैं, फिर भी कमी बनी हुई है। इसकी मुख्य वजह वैश्विक उत्पादन संबंधी बाधाएं, आपूर्ति श्रृंखला में रुकावट, इंजन की कमी और कुशल कर्मचारियों का अभाव है, जिसके कारण विमानों की डिलीवरी में कई साल की देरी हो रही है। कुछ मामलों में तो 15 साल तक लग सकते हैं। इस बीच, इंडिगो और एयर इंडिया जैसी प्रमुख भारतीय कंपनियों ने भी बड़े ऑर्डर दिए हैं। इंडिगो ने एयरबस को 500 ए320 फैमिली विमानों और बाद में 60 ए350 विमानों का ऑर्डर दिया है। वहीं, एयर इंडिया समूह ने 2023 में 470 और 2024 में 100 एयरबस विमानों सहित कुल 570 विमानों का ऐतिहासिक ऑर्डर दिया है। इस विस्तार का मकसद घरेलू बाजार में अपनी स्थिति मजबूत करने के साथ अंतरराष्ट्रीय उड़ानों का नेटवर्क बढ़ाना है। सरकार की योजना सिर्फ विदेशों से विमान खरीदने तक सीमित नहीं है, बल्कि देश में विमान निर्माण को बढ़ावा देना भी है। इसी दिशा में ब्राजील की विमान निर्माता कंपनी एम्ब्रेयर और अडानी समूह ने भारत में क्षेत्रीय विमानों के निर्माण की संभावनाओं पर काम करने के लिए साझेदारी की है। अनुमान है कि 2035 तक भारत का कमर्शियल विमान बेड़ा करीब 2,250 विमानों का हो सकता है। नए विमानों की उपलब्धता से हवाई यात्रियों को सीधा फायदा मिलेगा, जिसमें अधिक उड़ानें, बेहतर कनेक्टिविटी (खासकर छोटे शहरों और अंतरराष्ट्रीय मार्गों पर) और यात्रा के अधिक विकल्प शामिल हैं। हालांकि, ईंधन लागत, मांग और परिचालन खर्च जैसे कारकों के कारण टिकटों की कीमतों में तत्काल बड़ी गिरावट की संभावना कम है। इस व्यापक विस्तार के लिए विमान खरीदने के साथ-साथ 35,000 पायलट, 34,000 तकनीकी कर्मचारियों की भर्ती और हवाई अड्डों तथा रखरखाव सुविधाओं की क्षमता बढ़ाना भी आवश्यक होगा।

अमिताभ और अभिषेक को गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों की जान से मारने की धमकी

मुंबई ,एजेंसी। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ और उनके बेटे अभिषेक बच्चन को फिर जान से मारने की धमकी मिली है। कुख्यात गैंगस्टर गोल्डी ढिल्लों ने पोस्ट साझा कर उन्हें निशाना बनाने की चेतावनी दी है। इस धमकी में साफ कहा गया है कि वे चाहे जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं मार दिया जाएगा। इस पोस्ट के सामने आने के बाद फिल्म इंडस्ट्री और सुरक्षा एजेंसियां अलर्ट पर हैं। कुख्यात गैंगस्टर ढिल्लों ने अपनी पोस्ट में दावा किया कि दिल्ली पुलिस की स्पेशल सेल ने मुंबई से उसके दो साथियों, विकास ठाकुर और दीपक सिंह को गिरफ्तार किया है। कुख्यात गैंगस्टर ने स्पष्ट किया कि इन गिरफ्तारियों के बावजूद उनकी कथित योजना नहीं रुकेगी और इन दोनों का संबंध किसी दूसरे गैंग से नहीं है। गोल्डी ने धमकी को 1984 के सिख विरोधी नरसंहार से जोड़ा, जिसमें कुख्यात गैंगस्टर ने कहा कि इसके दोषियों को माफ नहीं किया जाएगा। इसके बाद सीधे तौर पर अमिताभ और अभिषेक बच्चन का नाम लेकर कहा कि वे चाहें जितने बुलेटप्रूफ केबिन बनवा लें, उन्हें वहीं निशाना बनाया जाएगा। गैंगस्टर ने धमकी भरे लहजे में लिखा, दोनों को बुलेटप्रूफ केबिन में ही मारा जाएगा।

फिलहाल, सोशल मीडिया पर सामने आई गंभीर धमकी को लेकर संबंधित सुरक्षा एजेंसियों की तरफ से कोई आधिकारिक प्रतिक्रिया नहीं आई है। गौरतलब है कि कुछ समय पहले अभिनेता टाइगर श्रॉफ पर भी फायरिंग की घटना हुई थी, जिसकी जिम्मेदारी लॉरेंस बिश्नोई गैंग ने ली थी। उस घटना के बाद अमिताभ बच्चन की सुरक्षा बढ़ाई गई थी। बिग बी अब हर रविवार अपने घर के बाहर फैंस से बुलेटप्रूफ केबिन के भीतर से ही मुलाकात करते हैं। अमिताभ बच्चन को इससे पहले भी कई बार जान से मारने की धमकियां मिल चुकी हैं।

सोनिया की किताब लांच में कैप्टन अमरिंदर: कांग्रेस वापसी की अटकलें खारिज

मेरा गांधी परिवार से पुराना और निजी संबंध

नई दिल्ली , एजेंसी। राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में आयोजित साहित्यिक कार्यक्रम ने देश के सियासी गलियारों में नई चर्चाओं को जन्म दे दिया है। कांग्रेस संसदीय दल की अध्यक्ष सोनिया गांधी की आत्मकथा बिलोंगिंग- अ जर्नी ऑफ लव के विमोचन समारोह में पंजाब के पूर्व मुख्यमंत्री और वरिष्ठ भाजपा नेता कैप्टन अमरिंदर सिंह की मौजूदगी ने सभी का ध्यान खींचा। कार्यक्रम की सबसे खास तस्वीर तब सामने आई, जब अमरिंदर सिंह अगली पंक्ति में विपक्षी इंडिया गठबंधन के दिग्गज नेताओं झारखंड के मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन और समाजवादी पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव के साथ बैठे दिखे। इससे कांग्रेस में उनकी संभावित वापसी की अटकलें तेज हो गईं, खासकर जब उन्हें भाजपा से नाखुश बताया जा रहा है। हालांकि, कैप्टन सिंह ने इन सभी अटकलों को पूरी तरह से खारिज किया है। अमरिंदर ने पांच साल पहले कांग्रेस छोड़ दी थी, जब उन्हें पंजाब के मुख्यमंत्री पद से हटाया था। इसके बाद उन्होंने 19 सितंबर 2022 को औपचारिक रूप से भारतीय जनता पार्टी (बीजेपी) का दामन थाम लिया था। गांधी परिवार के साथ उनके करीबी रिश्ते और राजीव गांधी के साथ उनकी जवानी के दिनों की दोस्ती भी उनकी वापसी की अटकलों को हवा दे रही थी।

कार्यक्रम में शामिल होने का कारण बताकर कैप्टन सिंह ने स्पष्ट किया कि यह पूरी तरह से एक सामाजिक मुलाकात थी। उन्होंने कहा कि गांधी परिवार के साथ उनके दशकों पुराने गहरे निजी संबंध हैं और राजनीतिक विचारधाराओं को सामाजिक मेल-जोल के आड़े नहीं आना चाहिए। उन्होंने याद दिलाया कि सोनिया गांधी भी अतीत में उनकी तीन किताबों के लांच कार्यक्रम में शामिल हुई थीं। उन्होंने कहा, हम यहां एक सामाजिक कार्यक्रम के लिए आए हैं। इसमें राजनीतिक मुद्दे कहां से आ गए? कई अन्य देशों में, लोग अपनी राजनीतिक विचारधाराओं से परे जाकर भी सामाजिक रूप से मिलते-जुलते रहते हैं।

कांग्रेस में फिर शामिल होने की संभावना के बारे में पूछने पर, भाजपा नेता ने दृढ़ता से कहा कि वे एक बार फैसला लेने के बाद उस फैसले को पलटने में विश्वास नहीं रखते। उन्होंने स्पष्ट किया कि गांधी परिवार के साथ उनकी मुलाकातें केवल सामाजिक रही हैं और किसी ने भी उनसे पार्टी में वापस लौटने के बारे में कोई बात नहीं की है। उन्होंने कहा, एक बार जब आप कोई फैसला ले लेते हैं, तब आपको बाद में जाकर शिकायत नहीं करनी चाहिए। मैं इसमें यकीन नहीं रखता। मैं यहाँ बस एक सामाजिक कार्यक्रम में शामिल होने आया हूँ। मैं इस परिवार को कई सालों से जानता हूँ। हमारा रिश्ता बहुत करीबी है। किसी ने मुझसे कभी नहीं पूछा कि मुझे उनके साथ जुड़ना चाहिए या नहीं।

इस मौके पर, राहुल गांधी ने भी गांधी परिवार के साथ अमरिंदर के लंबे जुड़ाव को याद किया। उन्होंने एक दिलचस्प घटना का जिक्र किया, जब उनके पिता राजीव गांधी, अमरिंदर सिंह से फोन पर बात कर रहे थे और उसी समय राहुल की अपनी माँ सोनिया गांधी से बहस हो गई थी। राहुल ने याद किया, हमने उन्हें (राजीव गांधी और सोनिया गांधी को) बहस करते देखा था, हालाँकि हमने उन्हें लड़ते हुए सिर्फ एक ही बार देखा है। संयोग



की बात देखिए-जब ऐसा हुआ, तब मेरे पिता फोन पर अमरिंदर जी से बात कर रहे थे। वह इकलौता मौका था जब हमने उन्हें लड़ते हुए देखा। यह वाकया दोनों परिवारों के बीच की व्यक्तिगत निकटता को दिखाता है, बावजूद इसके कि अमरिंदर अब एक अलग राजनीतिक दल में हैं।

प्रचंड चक्रवात अकवान का खतरा: 20 नवंबर को आंध्र तट पर 145 किमी/घंटा की रफ्तार से देगा दस्तक

नई दिल्ली , एजेंसी। भारतीय मौसम विज्ञान विभाग के अनुसार, बंगाल की खाड़ी में बना चक्रवात अकवान तेजी से खतरनाक होता जा रहा है। मंगलवार यह चेन्नई से 610 किलोमीटर पूर्व में केंद्रित था और अब यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़ रहा है। समुद्र की सतह का तापमान और अनुकूल मौसमी परिस्थितियाँ इसकी तीव्रता बढ़ाने में सहायक सिद्ध हो रही हैं। मौसम विभाग लगातार इस पर निगरानी रख रहा है और लगातार अपडेट दे रहा है। नवीनतम पूर्वानुमान के मुताबिक, अकवान मंगलवार शाम तक पश्चिम-मध्य बंगाल की खाड़ी में एक गंभीर चक्रवाती तूफान में बदल जाएगा। इसके बाद, यह उत्तर-पश्चिम दिशा में आगे बढ़कर 19 नवंबर की सुबह तक एक बहुत गंभीर साइक्लोन का रूप ले लेगा।

पूर्वानुमान के मुताबिक, चक्रवात अकवान 20 नवंबर को दोपहर के आसपास आंध्र प्रदेश और यानम तट पर नेल्लोर और तुनी के बीच लैंडफॉल करेगा। इस दौरान हवाओं की निरंतर गति 120 से 130 किलोमीटर प्रति घंटा रहने का अनुमान है, जबकि झोंके 145 किलोमीटर प्रति घंटा तक पहुंच सकते हैं। यह आंध्र प्रदेश के लिए हाल के समय में तीसरा बड़ा चक्रवाती खतरा है, जिससे राज्य प्रशासन पहले से ही सतर्क है।



लैंडफॉल के बाद, यह तेजी से कमजोर होकर तेलंगाना की तरफ बढ़ेगा। तटीय इलाकों में समुद्र बहुत उफान पर रहेगा, इसलिए मछली पकड़ने की गतिविधियों पर पूरी तरह से रोक लगा दी गई है। मछुआरों और नाविकों को समुद्र में न जाने की सख्त चेतावनी जारी की गई है ताकि जान-माल का नुकसान न हो।

19 और 20 नवंबर को आंध्र के तटीय क्षेत्रों में भारी से बहुत भारी बारिश की संभावना है, कुछ स्थानों पर अत्यधिक वर्षा भी हो सकती है। इससे निचले इलाकों में जलभराव, पेड़ों का उखड़ना, बिजली आपूर्ति में बाधा, कमजोर संरचनाओं को नुकसान और कृषि फसलों पर असर पड़ सकता है। ओडिशा और तमिलनाडु के कुछ हिस्सों में भी इसका प्रभाव बारिश के रूप में देखा जा सकता है। आंध्र प्रदेश सरकार और आपदा प्रबंधन विभाग पूरी तरह से सतर्क हैं। अधिकारियों को नियमित चेतावनी जारी करने, संवेदनशील क्षेत्रों के लोगों को सुरक्षित स्थानों पर पहुंचाने और आवश्यक सेवाएं सुनिश्चित करने के निर्देश दिए गए हैं। गिरे हुए पेड़ों और बिजली के खंभों को तुरंत हटाने, राहत एवं बचाव कार्यों को तेज करने और जल निकासी की व्यवस्था बनाए रखने पर भी जोर दिया जा रहा है। लोगों से आधिकारिक अपडेट पर नजर रखने, अनावश्यक यात्रा से बचने और आपातकालीन नंबरों को अपने पास रखने की अपील की गई है। समय पर बरती गई सावधानी से जान-माल के नुकसान को काफी हद तक कम किया जा सकता है। मौसम विभाग स्थिति पर लगातार नजर बनाए हुए है और नियमित रूप से जानकारी साझा कर रहा है।

बालासाहेब ठाकरे की पुण्यतिथि पर देश भर के नेताओं ने दी भावभीनी श्रद्धांजलि

मुंबई , एजेंसी । राष्ट्रवादी विचारधारा के प्रणेता और शिवसेना के संस्थापक बालासाहेब ठाकरे को उनकी पुण्यतिथि पर देश के राजनीतिक दिग्गजों ने भावभीनी श्रद्धांजलि अर्पित की। केंद्रीय मंत्री शिवराज सिंह चौहान और मनोहर लाल से लेकर उत्तर प्रदेश, उत्तराखंड, हरियाणा और राजस्थान के मुख्यमंत्रियों सहित कई नेताओं ने उन्हें याद किया और उनके सिद्धांतों एवं राष्ट्र के प्रति उनके समर्पण को सराहा। केंद्रीय कृषि मंत्री चौहान ने बालासाहेब को राष्ट्रवाद के ओजस्वी स्वर और अद्वितीय वक्ता बताकर महाराष्ट्र के विकास में उनके अहम योगदान को याद किया। उन्होंने कहा कि बालासाहेब अपने प्रखर विचारों के लिए सदैव हमारे हृदय में अमर रहेंगे। वहीं, केंद्रीय मंत्री मनोहर लाल ने बालासाहेब के जीवन को साहस, स्पष्टवादिता और सांस्कृतिक स्वाभिमान की अद्भुत मिसाल बताया।

एसआईआर प्रक्रिया में समयसीमा बढ़ाए जाने के बाद भी नाम जुड़वाने की रफ्तार धीमी

दिल्ली में 17 दिनों में महज 31,027 फार्म-6 आवेदन मिले

नई दिल्ली, एजेंसी । दिल्ली में एसआईआर प्रक्रिया में समयसीमा बढ़ाए जाने के बावजूद नए मतदाताओं के नाम जुड़वाने की रफ्तार धीमी है। चुनाव आयोग की ओर से 29 अक्टूबर को दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख बढ़ाकर 25 नवंबर किए जाने के बाद 17 दिनों में महज 31,027 फार्म-6 आवेदन मिले हैं। इसके साथ ही 31 अगस्त को मसौदा मतदाता सूची प्रकाशित होने के बाद से 15 नवंबर तक प्राप्त कुल आवेदनों की संख्या 3.10 लाख के करीब पहुंची है। आधिकारिक आंकड़ों के मुताबिक 31 अगस्त से 30 अक्टूबर के बीच 2.79 लाख फार्म-6 आवेदन जमा हुए थे। वहीं 29 अक्टूबर को समयसीमा बढ़ाए जाने के बाद 15 नवंबर तक 31,027 और आवेदन मिले। फार्म-6 के जरिये पात्र नागरिक मतदाता सूची में अपना नाम शामिल कराने के लिए आवेदन करते हैं। बता दें दिल्ली में एसआईआर की प्रक्रिया 30 जून को घर-घर एन्यूमरेशन फार्म बांटने के साथ शुरू हुई थी। इसके बाद 31 अगस्त को जारी ड्राफ्ट मतदाता सूची से करीब 47.5 लाख मतदाताओं के नाम काट दिए गए। इन मतदाताओं के एन्यूमरेशन फार्म निर्वाचन अधिकारियों को वापस नहीं मिल पाए थे। मीडिया रिपोर्ट के मुताबिक सुप्रीम कोर्ट के निर्देश के बाद निर्वाचन आयोग ने 29 अक्टूबर को एसआईआर की समयसीमा में बदलाव किया था। इसके तहत दावे और आपत्तियां दाखिल करने की अंतिम तारीख 25 नवंबर और अंतिम मतदाता सूची के प्रकाशन की तारीख 22 दिसंबर तय की गई थी। वहीं अब अधिकारियों का कहना है कि फार्म-6 के कम आवेदन और नए सिरे से एन्यूमरेशन फॉर्म बांटने की जरूरत को देखते हुए समयसीमा में एक बार फिर विस्तार किया जा सकता है। अधिकारियों के मुताबिक इस सप्ताह के अंत तक नए सिरे से एन्यूमरेशन फार्म बांटने का काम शुरू होने की उम्मीद है। ऐसे में एसआईआर की प्रक्रिया को तय समय में पूरा करना निर्वाचन अधिकारियों के लिए चुनौती बन सकता है।

